मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 318
गुरुवार, 12 जून 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

3 राज्य के 7 जिलों को मोदी सरकार की बड़ी सौगात, रेलवे की 6,405 करोड़ की दो परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली, 11 जून। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पीएम मोदी के ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के दौरान, परिवहन और रसद लागत को कम करने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं। आईआईएम बैंगलोर और आईआईएम कलकत्ता के हालिया अध्ययन से पता चलता है कि परिवहन में निवेश से देश की रसद लागत में लगभग 4% की कमी आई है। रसद लागत में हर प्रतिशत की कमी का मतलब है कि बहुत अधिक प्रतिस्पर्धी उद्योग होंगे। हम अधिक निर्यात कर सकते हैं। हम उत्पादन लागत कम रख सकते हैं... पिछले 1 साल में परिवहन परियोजनाओं के लिए लगभग 4.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी गई है। यह विकसित भारत के हमारे लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारी बड़ी भूमिका निभाएगा।

कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में भारतीय रेलवे की बल्लारी-चिकजाजुर मल्टीट्रैकिंग परियोजना पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह दोहरीकरण परियोजना 185 किलोमीटर तक फैली है और इसकी लागत 3,342 करोड़ रुपये है। यह मंगलौर बंदरगाह के साथ आंतरिक इलाकों को कुशलतापूर्वक जोड़ेगी। हम मंगलौर की रेलवे कनेक्टिविटी में

सुधार के लिए एक मास्टर प्लान बना रहे हैं... यह 29 प्रमुख पुलों वाली एक जटिल परियोजना है... इससे लगभग 13 लाख की आबादी को लाभ होगा... यह लगभग 19 मिलियन टन अतिरिक्त माल की ढुलाई की सुविधा प्रदान कर सकती है, जो हमारे पर्यावरण के लिए अभूतपूर्व रूप से मददगार होगी। यह 101 करोड़ कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को रोकेगा, जो चार करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है। इससे हमें देश के 20 करोड़ लीटर डीजल को सालाना बचाने में भी मदद मिलेगी... यह परियोजना कर्नाटक-आंध्र प्रदेश की सीमा पर बल्लारी क्षेत्र में है।

रेलवे लाइन की बढ़ी हुई क्षमता परिवहन को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी, जिससे भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता बेहतर होगी। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव रेलवे परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए तैयार किए गए हैं। सरकार ने कहा कि ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं, जो स्थानीय लोगों को व्यापक विकास के जरिये आत्मनिर्भर बनाएगी और उनके लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

राहुल गांधी मानहानि मामले में छह अगस्त को अदालत में पेश हों: झारखंड उच्च न्यायालय

रांची, 11 जून। झारखंड उच्च न्यायालय ने सोमवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी के सिलसिले में छह अगस्त को चाईबासा में सांसद-विधायक अदालत के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने दो जून को विशेष अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था, जिसमें उन्हें 26 जून को अदालत के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया गया था। गांधी के अधिवक्ता ने उच्च न्यायालय को बताया कि उनके मुवक्किल 26 जून को पेश नहीं हो सकेंगे और उन्होंने इसके स्थान पर छह अगस्त की तारीख मांगी। अदालत ने यह अनुरोध स्वीकार कर लिया। भाजपा नेताओं के खिलाफ कथित आपत्तिजनक बयान देने के मामले में एक व्यक्ति प्रताप कुमार ने राहुल गांधी के खिलाफ वर्ष 2018 में चाईबासा में एक जनसभा के दौरान दिए गए भाषण को लेकर मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था।

राहुल गांधी की याचिका में कहा गया था कि उन्होंने चाईबासा अदालत में व्यक्तिगत पेशी से छूट की मांग करते हुए एक याचिका दायर की थी, जो फिलहाल उच्च न्यायालय में लंबित है। निचली अदालत को यह जानकारी भी दी गई थी कि पेशी से छूट की याचिका उच्च न्यायालय में लंबित है, बावजूद इसके अदालत ने गांधी को कोई राहत नहीं दी और उन्हें व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया। राहुल गांधी को इस मामले में आपराधिक अभियोजन का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें आरोप है कि उन्होंने जानबूझकर अमित शाह की छवि धूमिल करने के उद्देश्य से कथित रूप से मानहानि पूर्ण बयान दिए थे।

दिग्जिविज सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह को कांग्रेस ने 6 साल के लिए पार्टी से किया निष्कासित

भोपाल, 11 जून। कांग्रेस ने बुधवार को राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह को राहुल गांधी के खिलाफ टिप्पणी करने के लिए छह साल के लिए प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया। प्रेस विज्ञप्ति में पार्टी ने कहा कि पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण उन्हें तत्काल प्रभाव से कांग्रेस से निकाल दिया गया है। कांग्रेस की अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति के सदस्य सचिव तारिक अनवर ने एक बयान में कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने मध्य प्रदेश के पूर्व विधायक लक्ष्मण सिंह को उनकी पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण तत्काल प्रभाव से छह साल की अवधि के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्राथमिक

सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। हालाँकि, पार्टी ने अपने आधिकारिक बयान में उन पार्टी विरोधी गतिविधियों के बारे में स्पष्ट नहीं किया जिनके लिए लक्ष्मण सिंह को निष्कासित किया गया। यह घटनाक्रम अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की अनुशासन समिति द्वारा पूर्व विधायक और पांच बार सांसद रह चुके सिंह को पार्टी से निष्कासित करने की सिफारिश के बाद सामने आया है। समिति ने कहा कि नेतृत्व के खिलाफ उनके बार-बार सार्वजनिक बयानों से पार्टी की छवि खराब हुई है। पिछले महीने लक्ष्मण सिंह को कारण बताओ नोटिस भेजा गया था, क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर सवाल उठाया था कि पार्टी को रॉबर्ट वाड्रा और राहुल गांधी दोनों की अपरिपक्वता से कब तक निपटना होगा। पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर लक्ष्मण सिंह ने अपनी पार्टी के भीतर एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था।

प्रयागराज में स्मैक तस्कर गिरफ्तार, 1.40 करोड़ रुपये मूल्य का स्मैक बरामद

प्रयागराज। प्रयागराज में हवाईअड्डा थाने और मादक पदार्थ रोधक कार्यबल (एएनटीएफ) की संयुक्त टीम ने कथित रूप से स्मैक की तस्करी करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 700 ग्राम स्मैक बरामद किया है जिसका अनुमानित मूल्य 1.40 करोड़ रुपये है।

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी-नगर) अभिषेक भारती ने संवाददाताओं को बताया कि सोमवार को एक मुखबिर की सूचना पर भगवतपुर हॉस्पिटल के पास सैय्यद मोहम्मद सिराज रब्बानी को गिरफ्तार किया गया जो बाराबंकी का निवासी है। उन्होंने बताया कि मोहम्मद सिराज रब्बानी के कब्जे से 700 ग्राम अवैध स्मैक बरामद किया गया।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 11 जून। केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के 11 साल पूरे होने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को प्रधानमंत्री पर इस अवधि के दौरान 33 गलतियां करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने कभी ऐसा प्रधानमंत्री नहीं देखा जो इतना झूठ बोलता हो और लोगों को फंसाता हो तथा युवाओं को धोखा देता हो। खड़गे ने कहा कि मैं पिछले 65 सालों से राजनीति में हूं, लेकिन मैंने कभी किसी प्रधानमंत्री को इतना झूठ बोलते और लोगों को धोखा देते नहीं देखा। वह हर चीज के बारे में झूठ बोलते हैं... उन्होंने कभी अपनी गलती नहीं मानी और इस बात के लिए माफी नहीं मांगी कि मैंने इतना झूठ बोला।

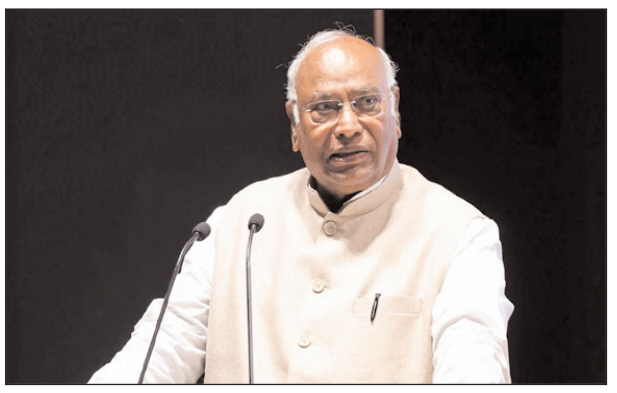

मोदी पर वार करते हुए खड़गे ने आगे कहा कि उन्होंने पिछली सरकार (उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेल परियोजना में) के योगदान के बारे में कुछ नहीं कहा। जब मैं रेल मंत्री था, तो मैंने वहां और पूर्वोत्तर को सबसे ज्यादा फंड दिया। हमने जो कुछ भी किया, उन्होंने (पीएम मोदी) उसे आगे बढ़ाया और उसका उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि मोदी हमेशा लोकतंत्र-लोकतंत्र कहते हैं। आजादी के बाद किसी प्रधानमंत्री ने उपसभापति का पद खाली नहीं रखा, लेकिन उन्होंने उस पद को खाली रखा है... मोदी का यह कृत्य गैरकानूनी है, अलोकतांत्रिक है और वे उपसभापति का एक छोटा सा पद भी नहीं देना चाहते, जिससे पता चलता है कि वे लोकतंत्र में विश्वास नहीं रखते। इसीलिए मैंने उन्हें लिखा है कि संविधान के अनुसार यह दिया जाना चाहिए, लेकिन आपने नहीं दिया। उन्हें पता होना चाहिए कि इस देश में सरकार संविधान के तहत चलती है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री हर बात पर झूठ बोलते हैं और जो कहते हैं, उसे लागू नहीं करते और जब उनसे पूछा जाता है तो उनके पास इसका कोई जवाब नहीं होता। उन्होंने कहा, चाहे नोटबंदी हो या रोजगार सृजन या एमएसपी, ऐसी कई चीजें हैं। उन्होंने कभी स्वीकार नहीं किया कि उन्होंने लोगों से झूठ बोला है और गलती की है और इसके लिए कभी माफी नहीं मांगी। वह एक के बाद एक बातें कहते रहते हैं और अब 11 साल हो गए हैं।

आतिशी ने रेखा गुप्ता सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 11 जून। आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता और दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने बुधवार को कालकाजी इलाके के भूमिहिनी कैंप में किए गए तोड़फोड़ अभियान को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर निशाना साधा। मीडिया से बात करते हुए आतिशी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 'गरीब विरोधी' पार्टी बताया और आगे सवाल किया कि विध्वंस के लिए अदालत का दरवाजा किसने खटखटाया। उन्होंने कहा कि यह साफ है कि भाजपा एक 'गरीब विरोधी' पार्टी है। तीन दिन पहले दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने कहा था कि एक भी झुग्गी नहीं गिराई जाएगी। लेकिन आज सुबह 5 बजे से ही बुलडोजर चल रहे हैं और लोगों को जबरन

उनके घरों से बाहर निकाला जा रहा है, लाठी-डंडों से पीटा जा रहा है।आतिशी ने आगे कहा कि रेखा गुप्ता का दावा है कि यह एक अदालती आदेश है - लेकिन अदालत का दरवाजा किसने खटखटाया? यह भाजपा की डीडीए और पार्टी थी जिसने यह आदेश लाया। ये गरीब लोग अदालत गए, लेकिन भाजपा और डीडीए उनके खिलाफ खड़े हो गए, उन्होंने कहा कि वे घर नहीं देंगे, और अदालत से तोड़फोड़ को मंजूरी देने का आग्रह किया। हाईकोर्ट के निर्देशों के बाद यह तोड़फोड़ अभियान चलाया गया। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने हाईकोर्ट के निर्देशों के बाद अवैध झोपड़ियों को ढहाने के मद्देनजर भूमिहीन कैंप के सभी निवासियों को एक आधिकारिक नोटिस जारी किया था, जिसमें उन्हें अपने परिसर खाली करने का निर्देश दिया गया था। मंगलवार को दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता और कालकाजी से आप विधायक आतिशी ने इलाके में तोड़फोड़ विरोधी प्रदर्शन किया, जिसके बाद उन्हें दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

आतिशी ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर तीखा हमला करते हुए कहा कि भाजपा और रेखा गुप्ता को झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोग श्राप देंगे। आतिशी ने एक दिन पहले कहा था, ₹बीजेपी कल इन झुग्गियों को ध्वस्त करने जा रही है, और मुझे आज जेल भेजा जा रहा है क्योंकि मैं इन झुग्गीवासियों के लिए आवाज उठा रही हूँ। 'बीजेपी और रेखा गुप्ता को झुग्गी वालों की हाय लगेगी। ... बीजेपी कभी वापस नहीं आएगी।

बारात लेकर लौट रहा वाहन दुर्घटनाग्रस्त, दुल्हन सहित पांच लोगों की मौत

जयपुर। जयपुर के पास बुधवार को सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में एक महिला सहित पांच लोगों की मौत हो गई तथा आठ अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृतकों में नवविवाहित दुल्हन भी शामिल है। रायसर के थानाधिकारी रघुवीर सिंह ने बताया कि यह हादसा सुबह लगभग सवा छह बजे रायसर इलाके में भटकाबास गांव के पास दौसा-मनोहरपुर राजमार्ग पर हुआ जब एक ट्रक और जीप की आमने सामने भिड़ंत हो गई। उन्होंने बताया कि बड़ी जीप

(तूफान) में बाराती सवार थे जो मध्य प्रदेश से लौट रहे थे। हादसे में दुल्हन सहित पांच लोगों की मौत हो गई तथा आठ अन्य घायल हो गए। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने संत कबीर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को संत कबीर दास की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा कि समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में उनके योगदान को हमेशा श्रद्धापूर्वक स्मरण किया जाएगा। मोदी ने एक्स पर लिखा, सामाजिक समरसता के प्रति आजीवन समर्पित रहे संत कबीरदास जी को उनकी जयंती पर मेरा कोटि-कोटि नमन। उनके दोहों में जहां शब्दों की सरलता है, वहीं भावों की प्रगाढ़ता भी है।

एपी मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करे: 9199355950

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
ARUNODAYA Surgical & Trauma Center

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्या एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist STAR
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद,जौनपुर

पृथ्वी की उष्णता और जटिल समाधान भविष्य ऑक्सीजन के बगैर?

संजीव ठाकुर

आजादी हमें मिली है यानी कि मानव को परंतु प्रकृति आजादी से अछूती रही है। अमूमन हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी कि हमको उद्योग धंधे का विकास तीव्र गति से करना पड़ा। मशीनें जितनी बड़ी से बड़ी होती गई आदमी उतना ही बौना होता गया जब हम अपने विकास का इतिहास देखते हैं तो ब्रिटिश सत्ता के दौरान हमारे संसाधनों का प्रकृति का अंधाधुंध दोहन होता रहा है। कृषि में नई नई तकनीक ट्रैक्टर, रसायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि बंजर होकर कराहने लगी। विकास का सही मायने मानवीय शक्तियों के साथ ऊर्जा और उसकी शक्ति तथा सामर्थ्य का सही उपयोग ही होगा। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी है उद्योगों की चिमनी यों को ऊपर उठाया मोबाइल क्रांति का बटन दबाया ई-मेल पर सवार होकर विश्व संदेश को सुना तब से हमारे झरनों का कल कल स्वर और संगीत बंद हो गया, पक्षियों का कलरव बंद हो गया पक्षी अब चीत्कार कर रहे हैं।

नदी नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त हो गई है और पानी खारा और खारा हो गया है। अब हमें यह सोचना है कि विकास के नाम पर हमें ग्रीन इंडिया चाहिए या इंटरनेट की सवारी कर डिजिटल इंडिया चाहिए। बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए। झरनों में बैठकर नौका विहार का आनंद लेना चाहिए या कंप्यूटर में बैठकर नेट खोल कर नन्हे मुन्ने की आंखों पर जोर डालकर उन्हें चश्मा वाला बनाना चाहिए। हरा भरा हिंदुस्तान यानी कि ग्रीन इंडिया और डिजिटल इंडिया का सपना नदी के दो कभी ना मिलने वाले किनारे हैं। विकास के नाम पर असीमित उद्योग धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त हो रही है साथ ही हमारी वायु विषैली हो गई है। रात में शहरी मकानों में बिजली के झालरों के समाने आकाश में रात्रि के तारों की चमक फीकी पड़ गई है। जंगलों को हम ऐसे साफ करते गए जैसे सड़क पर रोड रोलर चला रहे हैं। नगर बने ,महानगर बने ,मकान बने किंतु हम घर गायब होते गए, हमें तब सुध आई जब चिड़िया चुग गई खेत, हमें विकास के नाम पर मानव सभ्यता से जुड़ी जमीन, पानी, हरियाली,पक्षी जानवर सब चाहिए केवल अंधाधुन्ध कंक्रीट का विकास या इंटरनेट की रफ्तार नहीं चाहिए। इसके लिए हमें संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश लगाना होगा। संसाधनों का इस्तेमाल अतिरेक में नहीं होना चाहिए । महात्मा गांधी ने खुद कहा है कि पृथ्वी पर सभी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन है, किंतु मानव की लालच को पूरा करने का कोई साधन नहीं है। हम प्राकृतिक परियोजना तथा परिस्थितिकी की परियोजनाओं का स्वागत करना होगा सम्मान करना होगा। हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर, पवन, बायोगैस, ज्वार तरंग लहरों को ऊर्जा का आधार बनाना होगा।

भारत में परिस्थितियां बड़ी विषम है एक तरफ सोडियम लाइट से नहाती दिल्ली ,मुंबई ,बेंगलुरु की रंगीन सड़कें हैं, ऊंची ऊंची इमारतें हैं, तेज गति की मेट्रो है,वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का लुप्त उठाते हुए युवक युवतियां है, दूसरी तरफ पसीने से भीगा हुआ किसान है। कैरोसिन की चिमनी में बच्चों को कहानी सुनाती माताएं हैं। यानी कि इतनी डिजिटल विषम बताएं भारत के अलावा विश्व के किसी भी कोने में नहीं है। भारत में विकास के नाम पर डिजिटलाइजेशन करने की आवश्यकता जरूर है पर गांव जंगलों नदियों और प्राकृतिक संसाधनों के निरस्तीकरण और विनाश की कीमत पर नहीं। हमें यह साबित करना होगा कि भारत के विकास की हरित क्रांति के साथ-साथ डिजिटल इंडिया भी विकास की गति को बढ़ा रहे हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत कि हरित क्रांति का विकास ही डिजिटल इंडिया का स्वप्न को भी पूरा करेगा। इसके लिए स्वच्छ साफ-सुथरे संसाधन जैसे जल, खनिज, यूरेनियम, थोरियम नहीं होगा तब तक नाभिकीय रिएक्टर की भट्ठियां कैसे चलेंगी। किसी कवि ने कहा है, विकास का जो भी रास्ता या नक्शा हम तैयार करेंगे निश्चित तौर पर वह मार्ग हरित क्रांति या हरित विकास से होकर गुजरेगा, जिससे हम अपनी 141 करोड़ जनसंख्या को स्वच्छ वातावरण दे पाएंगे और एक नए भारत की कल्पना को साकार कर पाएंगे।

साइबर अपराधियों के बढ़ते हौसलें, आमजन में शिकायत की जानकारी का अभाव

ऐसा नहीं है कि साइबर अपराध केवल और केवल भारत में हो रहे हैं अपितु यह विश्वव्यापी समस्या होती जा रही है। दुनिया के देशों में देखा जाए तो साइबर ठगी के मामलों में रशिया पहले पायदान तो यूक्रेन दूसरे स्थान पर है।

देश दुनिया में साइबर अपराध के बढ़ते आंकड़े जहां चिंतित करने वाले हैं वहीं यह और भी आश्चर्यजनक और चिंताजनक हालात है कि लाख अवेयरनेस प्रोग्राम व मीडिया में आये दिन साइबर ठगी के समाचारों की भरमार के बावजूद देश में केवल 18 फीसदी लोग ही ऐसे हैं जिन्हें साइबर अपराध होने पर उसकी शिकायत कहां और कैसे करनी है कि जानकारी है। यह तो सरकारी आंकड़ा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जनवरी-मार्च, 2025 में कराये गये ताजातरीन सर्वे से यह आंकड़े प्राप्त हुए हैं। दूसरी और यूपीआई से भुगतान में खासा बढ़ोतरी हुई है। आज ठेले पर सब्जी बेचने वाले से लेकर दो-पांच रुपए का सामान विक्रेता भी आसानी से यूपीआई से भुगतान प्राप्त कर रहा है। 2022-23 में जहां केवल 38 फीसदी लोग ऑनलाइन पेमेंट करते थे वह आज बढ़कर 50 प्रतिशत के लगभग हो गया है। वास्तविकता तो यह है कि आज ऑनलाइन पेमेंट करना लोगों की आदत में आ गया है। जेब में रुपया-पैसा रखना या कहीं जाते समय साथ पैसा लेजाना लोगों की आदत में अब लगभग नहीं ही रहा है। पर तस्वीर का दूसरा पहलू यह है कि साइबर अपराधियों के हौसले बुलंद है और पिछले तीन सालों में ही साइबर अपराध के आंकड़ें तीन गुणा बढ़ गए हैं। सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आज मोबाइल पर किसी का नंबर डायल करते ही पहले साइबर अपराध से सचेत रहने की कॉलर ट्यून सुनने को मिलती है और उसके बाद बात होती है।

मोबाइल पर नंबर मिलाते ही नहीं अपितु सोशियल मीडिया के प्लेटफार्म खासतौर से इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि पर आजकल साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन या ब्लेक मेलिंग से सतर्क रहने का संदेश सुनने को मिलता है। इतने के बावजूद ठगी के आंकड़ें चेताने वाले हैं। मजे की बात यह है कि साइबर ठगी के इन रुपों से सबसे अधिक शिकार पढ़े लिखे और समझदार लोग ही हो रहे हैं। लाख समझाइस के बावजूद एक और ठगों के हौसले बुलंद हैं तो ठगी के शिकार होने वाले लोगों की संख्या और राशि में मल्टीपल बढ़ोतरी हो रही है। खास बात यह है कि ठगी के केन्द्र व ठगी के तरीके से वाकिफ होने के बावजूद यह होता जा रहा है। हांलाकि झारखण्ड के जमातड़ा से ठगों के तंत्र को तोड़ दिया गया पर देश में एक दो नहीं अपितु 74 जिलों में इस तरह की ठगी करने वालों के हॉटस्पॉट विकसित हो गए। झारखण्ड, राजस्थान, हरियाणा और बिहार के केन्द्र पहले पांच प्रमुख सेंटर विकसित हो गए।

ऐसा नहीं है कि साइबर अपराध केवल और केवल भारत में हो रहे हैं अपितु यह विश्वव्यापी समस्या होती जा रही है। दुनिया के देशों में देखा जाए तो साइबर ठगी के मामलों में रशिया पहले पायदान तो यूक्रेन दूसरे स्थान पर है। इनके बाद चीन, अमेरिका, नाइजेरिया और रोमानिया का नंबर आता है। इससे एक बात तो साफ हो जाती है साइबर ठगों सारी दुनिया में सहज पहुंच है। लोगों की गाढ़ी कमाई को हजम करने में इन्हें विशेषज्ञता हासिल है। लोगों की कमजोरी को यह समझते हैं और उसी कमजोरी के चलते पढ़े लिखे और होशियार लोगों को भी आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। जाल ऐसा की यह समझते हुए कि ऐसा आसानी से होता नहीं है फिर भी चक्कर में फंस ही जाते हैं और ठगों के आगे सरेण्डर होकर लुट जाते हैं। हमारे देश में साइबर ठग या तो किसी तरह का लालच देकर लिंक भेजकर ठगी करते हैं या फिर डरा धमकाकर आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। सरकार प्रचार के सभी माध्यमों से बार बार व लगातार आगाह कर रही है कि ठगों द्वारा डराने वाले तरीके वास्तविक नहीं है। बैंक कभी भी बैंक डिटेल या ओटीपी ऑनलाइन नहीं मांगते पर पता नहीं कैसे ठगों के जाल में फंसकर अपनी मेहनत की कमाई लुटा बैठते हैं।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

हुई महंगी बहुत ही शराब तो थोड़ी – थोड़ी पिया करो ...

अशोक भाटिया

गायक पंकज उदास की यह गजल हुई महंगी बहुत ही शराब तो थोड़ी झ थोड़ी पिया करो ... वर्षो से लोगों की जबान पर है पर यह तब सार्थक हो जाती है जब सरकार शराब के दाम बढ़ा देती है । आज इस गजल को गुनगुनाने का समय तब आया जब समाचारों से लोगों को पता पड़ा कि शराब के दाम आज से बढ़ गए है । समाचारों के अनुसार महाराष्ट्र सरकार ने महाराष्ट्र सरकार ने राज्य की आबकारी नीति में बड़ा बदलाव करते हुए शराब पर उत्पाद शुल्क में भारी बढ़ोतरी का ऐलान किया है। इस फैसले का सीधा असर शराब की खुदरा कीमतों पर पड़ेगा, जिससे ग्राहकों को अब शराब खरीदने के लिए अपनी जेब और भी ज्यादा ढीली करनी होगी। कैबिनेट के नए फैसले के तहत, भारत में बनी अंग्रेजी शराब (IMFL) पर उत्पाद शुल्क को विनिर्माण लागत के तीन गुना से बढ़ाकर 4.5 गुना कर दिया गया है। इसका सबसे अधिक असर उन उत्पादों पर पड़ेगा जिनकी विनिर्माण लागत करीब 260 रुपये प्रति बल्क लीटर है। देशी शराब पर भी शुल्क बढ़ाकर 180 रुपये से 205 रुपये प्रति प्रूफ लीटर कर दिया गया है।

महाराष्ट्र में सरकार ने 180 एमएल बोतल की कीमतों में भी बदलाव किया है। इसके तहत पहले 70 रुपये में आने वाली देशी शराब 80 रुपये की होगी, एमएमएल 148 और IMFL 205 रुपये की होगी। साथ ही प्रीमियम विदेशी शराब जो पहले 210 रुपये की थी, उसे बढ़ाकर अब 360 रुपये करने का फैसला किया है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि ड्यूटी बढ़ाने के बाद सरकार के खजाने में 14 हजार करोड़ रुपये ज्यादा आ सकते हैं। जून की शुरूआत में ही महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने माना कि पिछले साल शुरू हुई लाडकी बहिन योजना के तहत वित्तीय सहायता का भुगतान सभी महिला आवेदकों को करके चूक हुई। पवार ने कहा कि जांच के माध्यम से इस गलती को ठीक किया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल वास्तविक लाभार्थियों को ही सहायता प्राप्त हो।

वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभाल रहे पवार ने बारामती में संवाददाताओं से कहा, हमने सभी महिला आवेदकों को वित्तीय लाभ देकर गलती की। हमारे पास आवेदनों की जांच करने और अयोग्य लोगों की पहचान करने के लिए बहुत कम समय था। उस समय, दो से तीन महीने में चुनावों की घोषणा होनी थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि महिलाओं के बैंक खातों में जमा धनराशि वापस नहीं ली जाएगी।

पवार ने कहा, जब इस योजना की शुरूआत की गई थी, तो सरकार ने अपील की थी कि केवल पात्र महिलाएं ही आवेदन करें, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसकी जांच की जा रही है। केवल जरूरतमंद महिलाओं को ही मासिक सहायता राशि मिलेगी।

सरकार ने इसके साथ ही एक नई श्रेणी महाराष्ट्र निर्मित शराब (MML) शुरू करने की भी घोषणा की है, जो देशी और IMFL के बीच की कड़ी होगी। यह केवल अनाज आधारित शराब होगी और इसमें केवल राज्य के भीतर निर्मित और पंजीकृत उत्पाद ही शामिल किए जाएंगे। विदेशी या राष्ट्रीय ब्रांड इसमें शामिल नहीं होंगे। इस फैसले से शराब की खुदरा कीमतों में 50% तक की बढ़ोतरी की संभावना है। सरकार को उम्मीद है कि इस बदलाव से वार्षिक आबकारी संग्रह में 14,000 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी होगी। साथ ही MML से अतिरिक्त 3,000 करोड़ रुपये के राजस्व की संभावना जताई गई है। वहीं, उद्योग विशेषज्ञों ने इस फैसले को वास्तविकता से दूर बताया है। उनका कहना है कि भारी टैक्स से पड़ोसी राज्यों से शराब की तस्करी बढ़ सकती है, जिससे राज्य को राजस्व नुकसान और स्थानीय कारोबारियों को चुनौती मिल सकती है। सरकार का तर्क है कि इससे स्थानीय किसानों को भी फायदा होगा क्योंकि अनाज की मांग बढ़ेगी, और जो 38 शराब निमार्ता फिलहाल निष्क्रिय हैं, उन्हें MML से नया जीवन मिल सकता है।

दूसरे राज्यों से आने वाली शराब को रोकने तथा कर चोरी रोकने के लिए मंत्रिमंडल ने राज्य आबकारी विभाग को 744 नए पद और 479 पर्यवेक्षक पद सहित कुल 1,223 नए पद की मंजूरी दी है। आबकारी विभाग की संशोधित संरचना और विभाग के एक एकीकृत नियंत्रण कक्ष स्थापना को मंजूरी दी गई। इस कक्ष के माध्यम से राज्य में डिस्टलरी, शराब कारखानों, थोक विक्रेताओं आदि को एआई प्रणाली के माध्यम से नियंत्रित किया जाएगा। विभाग की संशोधित संरचना के अनुसार, मुंबई शहर और उपनगरों में एक नया विभागीय कार्यालय शुरू किया जाएगा और मुंबई उपनगर, ठाणे, पुणे, नाशिक, नागपुर और अहिल्यानगर जैसे छह जिलों के लिए एक-एक अतिरिक्त अधीक्षक कार्यालय शुरू किया जाएगा।

शराब को लेकर लोगों की अपनी-अपनी राय है। गुजरात बिहार जैसे राज्य में शराब पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया गया है। वहीं, ज्यादातर राज्यों में शराब की बिक्री सालों से जारी है।

इसके पीछे की मुख्य वजह शराब पर लगने वाले टैक्स से राज्यों की कमाई है। शराब पर लगे टैक्स राज्यों की कमाई का सबसे अहम जरिया है। अगर कोई व्यक्ति शराब की एक बोतल खरीदता है तो उसमें आधे से ज्यादा पैसा टैक्स के रुप में सरकार के खजाने में चला जाता है। बता दें कि पेट्रोल-डीजल की तरह शराब जीएसटी से बाहर है। इसलिए राज्य सरकारें अपने-अपने हिसाब से शराब पर टैक्स वसूलती है। राज्य एक्साइज ड्यूटी के नाम पर शराब बनाने और बेचने पर टैक्स लगाते हैं। कोई राज्य वैट के जरिए टैक्स वसूलता है। इसके अलावा शराब पर स्पेशल सेस, ट्रांस्पोर्ट फीस, लेबल और रजिस्ट्रेशन जैसे कई कर लगाए जाते हैं। ज्यादातर राज्य शराब पर वैट या उत्पादन शुल्क या फिर दोनों ही लगाते हैं। इसको ऐसे समझिए अगर कोई व्यक्ति 1 लीटर शराब खरीदता है तो उसको 15 रुपये फिक्स एक्साइज ड्यूटी देनी होती है। वहीं, अगर एक शराब की बोतल की कीमत 100 रुपये है तो राज्य उसपर 10 प्रतिशत वैट लगाता है, तो कीमत बढ़कर 110 रुपये हो जाती है। ज्ञात हो कि भारत के 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शराब पर अलग-अलग तरीके से टैक्स लगाया जाता है।

उदाहरण के लिए, गुजरात ने 1961 से अपने नागरिकों के शराब के सेवन पर प्रतिबंध लगा दिया था लेकिन विशेष लाइसेंस वाले बाहरी लोग अभी भी शराब खरीद सकते हैं। वहीं, पुडुचेरी को अपना अधिकांश राजस्व शराब के व्यापार से प्राप्त होता है। जबकि पंजाब ने चालू वित्त वर्ष में अपने उत्पाद शुल्क को नहीं बदलने का फैसला किया है। उसने अपने बिक्री कोटा में वृद्धि की है और अगले वित्त वर्ष में 7,000 करोड़ रुपये का राजस्व एकत्र करने की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष में राजस्व से 40 प्रतिशत अधिक है।

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु देश में बिकने वाली शराब का 45 प्रतिशत तक खपत करते हैं। इसके बाद, ये राज्य अपने राजस्व का लगभग 15 प्रतिशत उत्पाद शुल्क से कमाते हैं। हालांकि, आंध्र प्रदेश ने 2019 में शराबबंदी की घोषणा की थी लेकिन वह शराबबंदी कर के साथ मादक पेय बेचता है।

केरल के लिए, शराब पर कर इसका सबसे बड़ा राजस्व स्रोत है। राज्य में सबसे अधिक शराब बिक्री कर भी है - लगभग 250 प्रतिशत केरल में ही वसूला जाता है। राज्य अपनी एजेंसी, केरल राज्य पेय पदार्थ निगम के साथ शराब बाजार को नियंत्रित करता है। केरल में शराब की बढ़ती मांग को देखते हुए इस महीने शराब की कीमत में 7 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। महाराष्ट्र पूरे देश में शराब पर लगने वाले टैक्स के रूप में उच्चतम दर वसूल करता है लेकिन अपनी बिक्री से अपने राजस्व का केवल एक हिस्सा प्राप्त करता है। केरल की तरह तमिलनाडु भी अपने राजस्व का एक बड़ा हिस्सा शराब की बिक्री से कमाता है। इसने विदेशी शराब पर वैट, उत्पाद शुल्क और एक विशेष शुल्क लगाया हुआ है। वहीं, दिल्ली शराब की कीमतों में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि करने के लिए उत्पाद शुल्क बढ़ाने की योजना बना रही है। गोवा में देश में सबसे कम शराब कर की दर है, राज्य ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ये कदम उठाया है।

धर्म के आवरण में दरिंदिगी:कुछ तो गड़बड़ है

निर्मल रानी

हमारे देश में जितना अधिक धर्म का ढिंढोरा पीटा जा रहा है अधर्म भी उतनी ही तेजी से बढ़ता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों से ऐसे मामलों में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। खासतौर से जब से आसाराम,स्वामी चिन्मयानंद,गुरमीत राम रहीम,स्वामी नित्यानंद,दाती महाराज,रामपाल,आसाराम के कुपुत्र नारायण साईं,भीमानंद महाराज उर्फ शिवमूरत द्विवेदी,राम शंकर तिवारी उर्फ स्वामी परमानंद व आशु भाई महाराज जैसे स्वयंभू संतों व डेरा संचालकों से जुड़े मामले सामने आये व इनमें से कई को बलात्कार व यौन शोषण के मामले में जेल जाना पड़ा तब से तो 'धर्म क्षेत्र' में इसतरह के कुकर्मों की गोया झड़ी सी लग गयी। देश में न जाने कितने साधु वेश धारी मंदिर के पुजारी या किसी न किसी रूप में धर्म क्षेत्र से जुड़े लोग यौन हिंसा के शर्मनाक मामलों में पकड़े जा चुके हैं। पिछले दिनों उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में दीपक वर्मा नामक एक बलात्कारी को थाना आलमबाग के अंतर्गत पुलिस ने सूर्योदय से पूर्व ही सुबह सवेरे मुठभेड़ में मार गिराया ,यह व्यक्ति भी धर्म का चोला ओढ़े रहता था। स्वयं को माता का भक्त प्रदर्शित करने वाला यह कुकर्मी माता रानी के जागरण समारोहों में झांकियां सजाने व झांकियां निकालने का काम किया करता था। इस ने चंद्रनगर मेट्रो स्टेशन के नीचे से ढाई-तीन साल की बच्ची को, जो अपने पिता के साथ लेटी हुई थी,चुपके से उसका अपहरण कर उसे उठा लगाया। बाद में इस व्यक्ति ने उस बच्ची के साथ बड़ी ही बेरहमी के साथ दुष्कर्म किया था। मासूम बच्ची अभी भी गंभीर अवस्था में इलाज करा रही है। पुलिस ने माता भक्त इस आरोपी पर एक लाख का इनाम भी घोषित कर दिया था। उसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की और गत वीरवार को देर रात थाना आलमबाग क्षेत्र के मवैया के निकट एनकाउंटर में ढेर कर दिया। भारत जैसे धर्म प्रधान देश में में यौन शोषण के मामलों का तेजी से बढ़ना अत्यंत चिंता का विषय है। हालाँकि देश में यौन शोषण को लेकर काफी कड़े कानून भी बने हुये हैं फिर भी यह एक प्रमुख सामाजिक समस्या बनी हुई है। खासकर धर्म क्षेत्र में कुकर्मियों व अधर्मियों का प्रवेश कर जाना धार्मिक सीख व शिक्षाओं पर भी सवाल खड़े करता है। एक अनुमान के अनुसार भारत में प्रत्येक 22 मिनट में एक बलात्कार का मामला दर्ज होता है। इसमें वह मामले शामिल नहीं हैं जो भयवश या लाज वाश अथवा सुलह सफाई के बाद या फिर सामाजिक कलंक या कमजोर कानूनी व्यवस्था के कारण दर्ज नहीं होते और वह सरकारी रिकार्ड में नहीं आ पाते। अन्यथा यह आंकड़े और भी चौंकाने वाले हो सकते हैं। वैसे तो दक्षिण अफ़्रीका,स्वीडन,संयुक्त राज्य अमेरिका,इंग्लैंड,मिस्र,फ़्रांस व इथियोपिया जैसे देश भी महिला शोषण व बलात्कार जैसे मामलों में बदनाम देशों की सूची में शामिल हैं। परन्तु इनमें से कोई भी देश धर्म का उस स्तर पर ढिंढोरा नहीं पीटता जितना भारत में देखने को मिलता है। स्वयं को धर्म प्रधान प्रदर्शित करने वाले भारत जैसे देश में बेशक यह एक अत्यंत गंभीर व संवेदनशील मुद्दा है। कहीं आश्रमों,मंदिरों व चर्चों में यौन शोषण के मामले सामने आते हैं जहाँ महंत, पुजारी,पादरी जैसे धर्म के आवरण में छुपे लोगों पर गैंगरेप का आरोप लगता है। जैसे कुछ समय पूर्व कानपुर में एक पीड़िता को पहले नशीला लड्डू खिलाया गया फिर उसका यौन शोषण कर घटना का वीडियो बनाकर उसे धमकाया गया। चार महीने बाद गोविंद नगर थाने में शिकायत तो दर्ज जरूर हुई, लेकिन परन्तु चूँकि महंत, पुजारी, और अन्य रेपिस्ट प्रभावशाली थे इस कारण उनके विरुद्ध पुलिस ने देर से कार्रवाई की। इसी तरह मई 2025 में आगरा के एक मंदिर में 5 साल की बच्ची के साथ बलात्कार की घटना चर्चा में रही। इस मामले में पुलिस ने शुरू में आरोपी को छोड़ दिया था लेकिन वीडियो वायरल होने के बाद उसे फिर से गिरफ़्तार किया गया। इसी तरह अप्रैल 2025 में सीतापुर में एक मंदिर के पुजारी पर नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने और एक पत्रकार की हत्या का आरोप लगा था। ऐसे ही सतना के नादन थाना क्षेत्र में एक कथा वाचक नारायण स्वरूप त्रिपाठी ने तीन नाबालिग बहनों को काल सर्प दोष की पूजा करने के बहाने अपने कमरे में बुलाकर उनका बलात्कार किया। पीड़िता बहनों के परिजनों की शिकायत पर नादन थाना पुलिस ने उसे गिरफ़्तार किया। इसी तरह कुछ समय पूर्व दिल्ली के द्वारका में बाबा मसानी नामक एक 'राक्षस ' को पुलिस ने गिरफ़्तार किया। इसने पहले तो एक महिला से पांच लाख रुपए मांगे। बाद में पैसे न मिलने से खिन्न इस दुष्ट ने उस महिला को नशीला पदार्थ खिलाकर उससे बलात्कार किया। यह बाबा माता मसानी चौकी के नाम से अपना दरबार चलाता है। यह यू ट्यूबर भी है। ऐसे ही केरल में कैथोलिक चर्च से जुड़े यौन शोषण के मामले चर्चा में रहे। एक नन ने जालंधर के रोमन कैथोलिक चर्च के बिशप पर 14 बार यौन शोषण का आरोप लगाया था । 2019 में तो पोप फ़्रांसिस ने भी स्वीकार किया था कि भारत, लैटिन अमेरिका, इटली, और अफ़्रीका में बिशप और प्रीस्ट द्वारा ननों का यौन शोषण हुआ है। पटना में 2017 में एक पादरी पर दो महिलाओं के साथ बलात्कार और धर्म परिवर्तन के नाम पर यौन शोषण का आरोप लगा। इसी प्रकार दिसंबर 2024 में संभल, उत्तर प्रदेश, में एक मस्जिद के मौलाना साजिद और उसके भाई पर 13 साल की बच्ची के साथ बलात्कार की कोशिश और तीन घंटे तक बंधक बनाने का आरोप लगा। पुलिस ने दोनों को गिरफ़्तार किया। एक तथ्य यह भी है कि धार्मिक संस्थानों में यौन शोषण के मामलों को अक्सर दबाने की कोशिश की जाती है। इसकी वजह यह है कि एक तो धार्मिक संस्थान समाज में सम्मानित स्थान माने जाते हैं। दूसरे यह कि वोट बैंक के चलते इनके राजनैतिक रुसूख भी होते हैं।

यही वजह है कि ऐसे कई मामलों में, प्रभावशाली व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई में देरी होती है। जैसे कि आगरा और कानपुर की घटनाओं में पुलिस की प्रारंभिक निष्क्रियता की काफी आलोचना हुई थी । धर्मस्थानों में होने वाली व धर्मिकता का लिबादा ओढ़े लोगों द्वारा ऐसे घटनाओं को अंजाम देने की प्रवृति ने धार्मिक सोच धार्मिक शिक्षा व धार्मिक संस्थानों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिये हैं। लिहाजा इस निष्कर्ष पर पहुँचने में कोई हर्ज नहीं कि धर्म के आवरण में दरिंदिगी फैलाने जैसे अधर्म में कहीं न कहीं कुछ न कुछ गड़बड़ तो जरूर है।

अब यही मेरी दुनिया है : एक स्त्री की चुपचाप क्रांति

प्रियंका सौरभ

कुछ औरतें मायके के बिना जीना सीख जाती हैं – न माँ की गोद, न भाई का कंधा, फिर भी हर रिश्ता निभाती हैं। दुख पी जाती हैं, आँसू अपने आँचल से पोंछ लेती हैं। कोई नहीं कहता बेटी थक गई होगी, पर वह खुद को समझा लेती है कि यही अब उसकी दुनिया है। यह कोई हार नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की चुपचाप क्रांति है।

स्त्री–वह शब्द जिसे कहते तो हम 'जननी', 'धैर्य की मूर्ति', 'संसार की आधारशिला' हैं, लेकिन जब वही स्त्री अपने अधिकार, सम्मान और भावनात्मक सहारे की बात करती है तो समाज उसे सहनशील बने रहने की सलाह दे डालता है। एक बेटी जब विदा होती है, तो उसके साथ भावनाओं की एक पूरी दुनिया भी उसकी ससुराल चली जाती है। पर क्या यह विदाई केवल भौतिक होती है? या एक गहरी मानसिक क्रांति की शुरूआत?

हर स्त्री का मायका उसके जीवन की पहली पाठशाला होता है। वहीं उसने चलना, बोलना, हँसना, डरना और दुनिया को देखना सीखा। पर एक बार विवाह के बाद, वही मायका धीरे-धीरे 'अतीत' बन जाता है। अब वह 'बेटी' नहीं, 'बहू' होती है। उसे मायके जाना 'ज्यादा नहीं शोभा देता'। वहाँ के दुःख में वह 'मेहमान' बन जाती है और अपने ही घर में 'अजनबी'।

वह जानती है कि अब वह कभी उस गोद में सिर नहीं रख सकती जिसे कभी माँ की ममता कहा जाता था। अब उसके आँसू पोछने के लिए भाई की बाँह नहीं है। अब वह किसी को नहीं कह सकती कि मैं थक गई हूँ, क्योंकि अब उसे ही सबको संभालना है।

वह हर रिश्ते को पूरी निष्ठा से निभाती है। चाहे सास का मान हो या पति की सेवा, बच्चों की परवरिश हो या घर की हर छोटी-बड़ी ज़िम्मेदारी–वह सब कुछ करती है। लेकिन इस प्रक्रिया में उसके अपने सपने, इच्छाएँ और भावनाएँ धीरे-धीरे बेमानी हो जाती हैं। रिश्तों में दिलचस्पी की जगह अब जरूरतें रह जाती हैं। अब वह बहू है, माँ है, पत्नी है, लेकिन शायद 'बेटी' अब सिर्फ एक स्मृति बन चुकी है। उससे अपेक्षा की जाती है कि वह मुस्कुराती रहे, चाहे भीतर कितनी ही आँधियाँ क्यों न चल रही हों। जब कोई कहता है, बेटी थक गई होगी, तो एक मौन गूंजता है–न कोई आवाज, न कोई शिकायत। क्योंकि उसे मालूम है कि उसकी थकान का कोई मोल नहीं। वह आँसू भी अपने आँचल से ही पोंछ लेती है और खुद को समझा लेती है, अब यही मेरी दुनिया है। यह चुप्पी हार नहीं है, यह एक हथियार है–संघर्ष का, संयम का, और शायद क्रांति का भी। यह वही चुप्पी है जो स्त्रियों को सहने की नहीं, समझने की शक्ति देती है। यह चुप्पी उन्हें टूटने नहीं देती, बल्कि उनके भीतर एक औरत से नायिका बनने की प्रक्रिया को जन्म देती है। स्त्रियाँ उस घर को अपना मान लेती हैं, जहाँ उन्हें केवल भूमिका निभानी होती है। अपने मन की बात कहने की जगह नहीं होती, बस जिम्मेदारियों का पहाड़ होता है। ऐसे में अगर किसी दिन वह सिर्फ इतना कह दे कि मुझे भी थोड़ी देर बैठना है, तो घर में खलबली मच जाती है। उसे हमेशा दूसरों के सुख में खुश होना सिखाया गया है। खुद के दुःखों को जीने की इजाजत नहीं। वह घर की लक्ष्मी तो बनती है, पर मन की रानी शायद ही कभी। हम कहते हैं कि औरतें आज आत्मनिर्भर हो गई हैं। वे ऑफिस जाती हैं, पैसा कमाती हैं, निर्णय लेती हैं। पर क्या मानसिक रूप से उन्हें वह स्पेस, वह सुरक्षा, वह 'अपनेपन' का वातावरण मिला है? वह बिना मायके के भी जीना सीख गई है। यह वाक्य सिर्फ शब्द नहीं, बल्कि एक पूरी यात्रा का सार है।

वह जानती है कि अब किसी का कंधा नहीं मिलेगा। वह अपने आँचल को ही तकिया बना लेती है और अपनी पीठ खुद थपथपा लेती है। स्त्री को एक बहू, पत्नी या माँ बनकर जीने के लिए कहा जाता है, लेकिन कोई नहीं पूछता कि वह एक 'व्यक्ति' के रूप में क्या चाहती है? उसकी भावनाएँ, इच्छाएँ, सपने – क्या वो सबकुछ शादी के साथ खत्म हो जाने चाहिए? विवाह उसके जीवन का हिस्सा हो सकता है, लेकिन सम्पूर्ण नहीं। वह एक पूरी किताब है, जिसे अक्सर केवल एक पृष्ठ पढ़कर ही समाज तय कर देता है कि वह कैसी स्त्री है।

यह लेख किसी एक स्त्री की नहीं, बल्कि अनगिनत स्त्रियों की कहानी है जो अपने आँचल से आँसू पोछकर मुस्कराती हैं। समाज को यह चुप्पी सुननी होगी। यह कोई मौन नहीं, बल्कि एक ज्वालामुखी है जो कभी भी फूट सकता है।

जब स्त्रियाँ कहती हैं,अब यही मेरी दुनिया है, तो यह कोई संतोष नहीं, बल्कि एक ऐसा आत्मनिर्भर संघर्ष है, जिसमें उसने खुद को एक नई दुनिया मान लिया है – बिना शिकायत, बिना समर्थन, बिना अपेक्षा। स्त्रियाँ जब चुपचाप घर संभालती हैं, दुख छुपा लेती हैं, हँसी ओढ़ लेती हैं, तो समाज समझता है कि उन्होंने हार मान ली। लेकिन सच्चाई यह है कि यह चुप्पी किसी अंत की नहीं, बल्कि एक नई शुरूआत की भूमिका होती है। जब एक स्त्री मायके के बिना भी जीना सीख जाती है, तो समझिए उसने अपने भीतर एक नई दुनिया बसा ली है। वह अब न बेटी रही, न बहू – वह अब केवल एक औरत नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर अस्तित्व है।

भारतीय अर्थव्यवस्था को भारतीय रिजर्व बैंक के दो महत्वपूर्ण तोहफे

प्रह्लाद सबनानी

भारतीय रिजर्व बैंक के उक्त महत्वपूर्ण दोनों निर्णयों से वैश्विक स्तर पर विपरीत परिस्थितियों के बीच भारत में उत्पादों की आंतरिक मांग उत्पन्न करने में सहायता मिलेगी क्योंकि बैंक अपने ग्राहकों को प्रदान की जाने वाली ऋणराशि पर ब्याज दरों को कम करेंगे।

वैश्विक स्तर पर विश्व के कई देशों में आर्थिक गतिविधियों पर संकट के बादल मंडराते हुए दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका में तो श्री डॉनल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद से नित नई घोषणाएं की जा रही है। कभी टैरिफ को बढ़ाया जा रहा है तो कभी टैरिफ को लागू करने की तारीखों में परिवर्तन किया जा रहा है तो कभी टैरिफ को कम किया जा रहा है। कुल मिलाकर अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अफरा तफरी का माहौल बन गया है। अभी हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति श्री ट्रम्प एवं अमेरिका के एक महत्वपूर्ण एवं शक्तिशाली मंत्री श्री एलान मस्क के बीच युद्ध छिड़ गया है एवं अब वे एक दूसरे पर गम्भीर आरोप लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। अमेरिकी अर्थव्यवस्था का इन सब बातों से बहुत नुक्सान होता हुआ दिखाई दे रहा है।

बेरोजगारी भत्ता लेने वाले नागरिकों की संख्या में वृद्धि हो रही है, अमेरिकी कम्पनियों द्वारा कर्मचारियों की छंटनी पर विचार किया जा रहा है एवं आर्थिक विकास दर कम हो रही है। दूसरी ओर, रूस यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म होने के आसार अभी भी दिखाई नहीं दे रहे हैं। एक तरह से इजराईल, हम्मास के बीच युद्ध अभी भी जारी ही है। चीन एवं अमेरिका के बीच में आई खटास भी कम होने का नाम नहीं ले रही है। वैश्विक स्तर पर इन समस्त घटनाओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था नित नई ऊचाईयों को छूने की ओर अग्रसर है। भारत में नागरिक शांतिपूर्ण तरीके से भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने के प्रति कटिबद्ध हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों के उपक्रम एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियां देश के आर्थिक विकास को गति देने में अपने प्रयास लगातार तेज करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी क्रम में, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिनांक 6 जून 2025 को द्विमासिक मुद्रा नीति की घोषणा करते हुए, देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के उद्देश्य से, दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। एक, रेपो दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 6 प्रतिशत की दर से नीचे लाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया गया है। केलेंडर वर्ष 2025 में रेपो दर में यह लगातार तीसरी कटौती की गई है एवं कुल मिलाकर रेपो दर में 100 आधार बिंदुओं की कमी की जा चुकी है। फरवरी 2025 एवं अप्रेल 2025 घोषित की गई मुद्रा नीति के माध्यम से रेपो दर में दोनों बार 25 आधार बिंदुओं की कमी की गई थी। रेपो दर उस दर को कहते हैं, जिस दर पर भारतीय रिजर्व बैंक विभिन्न बैंकों को आवश्यकता पड़ने पर ऋण उपलब्ध कराता है एवं विभिन्न बैंक रेपो दर को आधार दर बनाते हुए इस दर पर कुछ आधार बिंदु (जमाराशि की लागत एवं लाभ की राशि का समायोजन करते हुए) जोड़ते हुए, ब्याज की दर पर, अपने ग्राहकों को ऋणराशि उपलब्ध कराते हैं। दूसरे, भारतीय रिजर्व बैंक ने नकद आरक्षित अनुपात में सीधे ही 100 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 4 प्रतिशत की दर से घटाकर 3 प्रतिशत की दर पर ला दिया है। इससे, भारत में बैंकों के पास 2.5 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि ऋण प्रदान करने के उद्देश्य से उपलब्ध हो जाएगी एवं सिस्टम में तरलता बढ़ जाएगी। नकद आरक्षित अनुपात से आशय उस अनुपात को कहते हैं, जिस पर विभिन्न बैंकों को अपने मांग एवं जमा देयताओं की राशि पर इस अनुपात की दर से नकदी राशि भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा करानी होती है।

संभाजी ब्रिगेड मुंबई की ओर से म्हाडा अधिकारी की कार्य पद्धति पर उठाया गया सवालिया निशान

मुंबई। जुहू की एक सोसाइटी के मामले में म्हाडा के अधिकारी की कार्यपद्धती पर सवालिया निशान उठाते हुए संभाजी ब्रिगेड मुंबई अध्यक्ष सुहास राणे ने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और सहकार आयुक्त को पत्र लिख कर मामले का संज्ञान लेने की गुजारिश की है. उन्होंने म्हाडा द्वारा छह मई 2010 को संपन्न बैठक क्रमांक 235 के प्रस्ताव क्रमांक 6480 को पूरे प्रभाव से लागू करने की मांग की है.

सुहास राणे के अनुसार जुहू गुलमोहर क्रॉस रोड नंबर 10 पर स्थित जेवीपीडी स्टर्लिंग को ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी के सदस्य प्रशांत शेट्टी ने संभाजी ब्रिगेड मुंबई को एक पत्र दिया है जिसमे उन्होंने न्याय की गुहार लगाई है. प्रशांत शेट्टी इस सोसाइटी में वर्ष 2004 शामिल हुए थे जिसकी बाकायदा मेंबर ट्रांसफर डीड उन्होंने उस वक्त के लिजी एच एम चुगानी और म्हाडा के साथ बनाई थी। लेकिन 25 मई 2018 में संपन्न हुए इस सोसाइटी के चुनाव में प्रशांत शेट्टी को कैंडिडेट के रूप में खड़े होने की अनुमति दे दी थी लेकिन चुनाव जीतने के बाद प्रशांत शेट्टी और अन्य पांच सदस्यों के खिलाफ यह आदेश पारित कर दिया गया कि ये लोग इस सोसाइटी के वैध सदस्य नहीं हैं इसलिए उन्हें सोसाइटी की कमीटी का सदस्य नहीं घोषित किया जा सकता. इसके बाद से पत्रव्यवहार द्वारा न्याय पाने के लिए प्रशांत शेट्टी लगातार प्रयत्न कर रहे थे , लेकिन आखिरकार उन्होंने संभाजी ब्रिगेड के मुंबई अध्यक्ष सुहास राणे से मदद मांगी.

सुहास राणे ने सारा तथ्य जानने और सारे डॉक्यूमेंट को देखने के बाद मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और सहकार आयुक्त को पत्र लिख कर मामले का संज्ञान लेने की गुजारिश की है. उन्होंने म्हाडा द्वारा छह मई 2010 को संपन्न बैठक क्रमांक 235 के प्रस्ताव क्रमांक 6480 को पूरे प्रभाव से लागू करने की मांग की है. इसके अलावा किसी का अधिकार छीनने की कोशिश करने वाले म्हाडा के सम्बंधित अधिकारी की कार्यपद्धती पर सवालिया निशान उठाते हुए उनकी भी जाँच की मांग की है।

द बॉडी शॉप ने भारत में 19 वर्ष पूरे किए

मुंबई। द बॉडी शॉप भारत में अपने 19 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है। इस मौके पर ब्रांड ने लोगों, प्रकृति और समाज के प्रति अपने प्यार और जिम्मेदारी को अपने कारोबार के केंद्र में बनाए रखने की प्रतिबद्धता को दोहराया। वर्ष 2006 से यह मशहूर ब्रिटिश मूल का नैतिकता आधारित ब्यूटी ब्रांड सार्थक एक्शन, साफ-सुथरे ब्यूटी प्रोडक्ट्स और सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देता आ रहा है। इसने यह साबित किया है कि एथिकल ब्यूटी सिर्फ रोजमर्रा के रूटीन को नहीं, बल्कि ज़िंदगियों को भी बदल सकती है।

इस साल, द बॉडी शॉप ने कई पहलें कीं, जिनसे समाज और पर्यावरण पर सकारात्मक असर पड़ा। इन्हीं में एक है– कचरा इकट्ठा करने वाले साथियों के लिए 19 इलेक्ट्रिक ट्राइसाइकिल दान करना, ताकि उनकी रोजमर्रा की ज़िंदगी में सम्मान, बेहतर रोजगार के मौके और बेहतर आवाजाही सुनिश्चित की जा सके। अपने फ्लैगशिप फेस्टिव24 कैंपेन 'स्पार्क ए चेंज 2.0' के तहत द बॉडी शॉप ने प्लास्टिक्स फॉर चेंज के साथ मिलकर यह काम किया है। इस साझेदारी को 5 साल पूरे हो चुके हैं। इस दौरान 2,330 मीट्रिक टन से अधिक प्लास्टिक कचरे का निपटान किया गया है, 4.4 मिलियन किलो से ज्यादा उड2 उत्सर्जन रोका गया है और 2,000 से अधिक कचरा जुटाने वाले लोगों को सम्मानजनक आजीविका के मौके दिए गए हैं। द बॉडी शॉप इंडिया की क्वेस्ट रिटेल की एग्जीक्यूटिव चेयरपर्सन श्रीति मल्होत्रा ने कहा, भारत में द बॉडी शॉप के 19 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए हमें इस सफर पर गर्व है। हमारा लक्ष्य हमेशा नैतिकता आधारित सौंदर्य, सामुदायिक व्यापार और उद्देश्य आधारित एक्शन को बढ़ावा देना रहा है। हमारी तमाम मुहिमों से लेकर जमीनी असर तक, हमारा मकसद हमेशा सकारात्मक बदलाव लाना रहा है। यह उपलब्धि सिर्फ बीते सालों का जश्न नहीं, बल्कि सभी के लिए एक ज्यादा टिकाऊ और समावेशी भविष्य रचने की हमारी नई प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है। प्लास्टिक्स फॉर चेंज जैसे साझेदारों के साथ हमारा सहयोग इस बात का बेहतरीन उदाहरण है कि हमारे जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड किस तरह कचरा इकट्ठा करने वालों को सशक्त बना सकते हैं, प्लास्टिक प्रदूषण से लड़ सकते हैं और पूरे समाज के विकास में योगदान कर सकते हैं।

अब क्रूज हॉलिडे की बुकिंग होगी आसान

मुंबई। भारतीय यात्रियों के लिए क्रूज हॉलिडे को और आसान बनाने की दिशा में एशिया की क्रूज-फर्स्ट ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसी (ओटीए) इन2क्रूजेज ने भारतीय बाजार में कदम रख दिया है। क्रूज इंडस्ट्री में 50 वर्षों से अधिक के संयुक्त वैश्विक अनुभव वाले दिग्गजों द्वारा विकसित यह प्लेटफॉर्म क्रूज बुकिंग को आसान, पारदर्शी और किफायती बनाना चाहता है, जिसे अब तक लोग अक्सर जटिल और मुश्किल मानते रहे हैं।

भारतीय परिवारों, युवा यात्रियों और मल्टी-जनरेशन ट्रैवलर्स में क्रूज हॉलिडे तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। लेकिन इसकी योजना बनाना आज भी चुनौतीपूर्ण होता है क्योंकि क्रूज, फ्लाइट, होटल, वीजा और भ्रमण के लिए अलग-अलग बुकिंग करनी पड़ती है। इन2क्रूजेज इस परेशानी का हल एक ऑल-इन-वन डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में पेश करता है, जिससे यूजर्स वैश्विक क्रूज लाइनों के जहाजों, यात्रा कार्यक्रमों और रियल-टाइम कीमतों की आसानी से तुलना कर सकते हैं। साथ ही, यह प्लेटफॉर्म छुट्टियों के हर चरण में पूरा सहयोग भी प्रदान करता है। इन2क्रूजेज की सीएमओ आकांक्षा अग्रवाल ने कहा, ह्लआज के भारतीय यात्री आत्मविश्वासी, डिजिटल रूप से दक्ष और यादगार अनुभवों के प्रति उत्साह में रहते हैं। लेकिन क्रूज बुकिंग आज भी बिखरी हुई और काफी जटिल है। इन2क्रूजेज के साथ हमने एक ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार किया है जो इस प्रक्रिया को आसान, तनावमुक्त और आनंददायक बना देता है। क्रूज बुकिंग का यह नया तरीका है – बिलकुल सरल, पारदर्शी और विशेषज्ञों के सहयोग से समर्थित। यह प्लेटफॉर्म सभी प्रमुख क्रूज लाइनों की लाइव इन्वेंट्री को एक साथ प्रस्तुत करता है। इनमें रॉयल कैरिबियन, नॉर्वेजियन क्रूज लाइन, सेलिब्रिटी क्रूज, सिल्वरसी, एमएससी क्रूज, कोस्टा, आमा वॉटरवेज, वाइकिंग रिवर क्रूज और डिज्नी क्रूज लाइन जैसी प्रमुख नाम शामिल हैं। यूजर्स यहां केबिन के प्रकार, किराये और प्रस्थान तिथियों की वास्तविक समय में तुलना कर सकते हैं। महज तीन क्लिक में यात्री बिना किसी छिपी हुई फीस, शून्य सेवा शुल्क और कई सुरक्षित भुगतान विकल्पों के साथ बुकिंग कर सकते हैं। इसके अलावा, केबिन को फ्री में होल्ड करने की सुविधा भी है, यानी यात्री बाद में भुगतान करने का विकल्प चुन सकते हैं – जिससे योजना बनाते समय और अधिक सुविधा और नियंत्रण मिल सके। इन2क्रूजेज को जो बात अलग बनाती है, वह है इसका तकनीक आधारित और सेवा केंद्रित दृष्टिकोण। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के जरिए यात्रियों की पसंद और उनके पिछले अनुभवों के आधार पर उन्हें व्यक्तिगत क्रूज सुझाव दिए जाते हैं। इसके साथ ही एक समर्पित क्रूज विशेषज्ञ चैट या कॉल के माध्यम से हर समय मदद के लिए उपलब्ध रहता है। यह प्लेटफॉर्म केवल बुकिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि वीजा, बीमा, क्रूज से पहले और बाद के ठहराव, खास गंतव्यों के लिए तट भ्रमण और आसान एयरपोर्ट ट्रांसफर जैसी सेवाओं के साथ एक संपूर्ण हॉलिडे प्लानिंग का अनुभव देता है।

वरिष्ठ साहित्यकार राजेश विक्रांत की आमची मुंबई-2 का 20 जून को विमोचन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महानगर की अग्रणी साहित्यिक, सांस्कृतिक संस्था आशीर्वाद द्वारा आयोजित लेखक एवं वरिष्ठ पत्रकार राजेश विक्रांत की नई पुस्तक आमची मुंबई-2 का विमोचन समारोह शुक्रवार 20 जून की शाम को गोरेगांव के अजंता पार्टी हॉल में आयोजित किया गया है। आशीर्वाद के निदेशक डॉ उमाकांत बाजपेयी एवं अध्यक्ष बृजमोहन अग्रवाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि मुख्य अतिथियों में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ल, संतोष कुमार झा (अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशकः कोंकण रेलवे) सुप्रसिद्ध अभिनेता विष्णु शर्मा, भुवेंद्र त्यागी (संपादकः दैनिक भास्कर), अनिल तिवारी (निवासी संपादक- दोपहर का सामना) रहेंगे जबकि विशेष अतिथियों में (मुंबई के इतिहास, संस्कृति, साहित्य, सामाजिक जीवन, अपराध पर विशिष्ट पुस्तकों/ लेखों/ उपन्यासों के लेखकों में गोपाल शर्मा ('बंबई दर बंबई' फेम), हृदयेश मयंक ('मुंबई का साहित्यिक परिदृश्यः एक पुनरावलोकन' फेम), मुंबई लोकल' तथा 'महाराष्ट्र बलिदानों की धरती' के रचनाकार तथा मुंबई पर 1200 से अधिक लेखों के सर्जक विमल मिश्र, 6 उपन्यासों समेत 10 किताबों के लेखक उर्दू उपन्यास रोहज़िन के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता रहमान अब्बास (उन्होंने चार राज्य साहित्य अकादमी पुरस्कार भी जीते हैं। रोहज़िन में तीन समानांतर कथा सूत्र- एक प्रेम कहानी, भारतीय मुसलमानों की पहचान का मुद्दा तथा तीसरा मुंबई यानी बॉम्बे की कहानी चलती है। तीसरा कथा सूत्र इस महान शहर के इतिहास, मिथकों, किंवदंतियों, समाजशास्त्र और राजनीति की गहराई से पड़ताल करता है), मुंबई के दिग्गज मराठी पत्रकार

प्रभाकर पवार (मुंबई क्राइम पर कुल 9 पुस्तकों के लेखक), मुंबई के वरिष्ठ क्राइम रिपोर्टर व डॉयल 100 स्तंभ फेम सुनील मेहरोत्रा, विवेक अग्रवाल (मुंबई क्राइम पर कुल 19 पुस्तकों के लेखक), हरि मृदुल (कहानियों व लघुकथाओं में मुंबई के जनजीवन को साकार करने वाले साहित्यकार तथा नवभारत टाइम्स के 'आमची मुंबई' के स्तंभकार, जीतेन्द्र दीक्षित ('35 डेज़ः हाऊ पालिटिक्स इन महाराष्ट्र चेंज फॉरएवर इन 2019'- 'सबसे बड़ी बगावतः महाराष्ट्र में तख्तापलट की पर्दे के पीछे की कहानी', 'बॉम्बे ऑफ्टर अयोध्याः ए सिटी इन फ्लक्स'- 'अयोध्या ने कैसे बदल दी बंबई' तथा 'बॉम्बे-3'- 'ये है बंबई नगरिया' के लेखक, आचार्य पवन त्रिपाठी ('आजादी की लड़ाई में मुंबई का योगदान'- हिंदी तथा 'स्वातंत्र्य लढ्यातील मुंबईचे योगदान'- मराठी के सह लेखक, श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष व मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष), शराफत खान ('दहशत का अनसुना इतिहासः बॉम्बे के डॉन' फेम), नितीन सालुंखे ('अज्ञात मुंबई' तथा 'अज्ञात मुंबई-2' फेम) का समावेश है। कार्यक्रम का संचालन करेंगे कवि, साहित्यकार देवमणि पांडेय, अतिथियों का स्वागत करेंगी आशीर्वाद की सहनिदेशिका नीता बाजपेयी। निमन्त्रक डॉ बनमाली चतुर्वेदी, डॉ जे पी बघेल, सुधा सिंह व अरविंद राही हैं इस कार्यक्रम में आईआरएस अधिकारी व साहित्यकार डॉ कुंदन यादव, पत्रकारिता कोश के संपादक आफताब आलम, डिजाइनर भालचंद्र मेहेर, मुद्रक अमेय लोकरे, पत्रकार सरताज मेहदी, छायाकार अर्जुन कांबले व पत्रकार शिवपूजन पांडेय का सम्मान भी किया जाएगा।बता दें कि मुंबई पर अब तक राजेश विक्रांत के कार्यों में मुंबई माफियाः एक एनसाइक्लोपीडिया (श्री प्रभाकर पवार की मराठी पुस्तक का हिंदी अनुवाद- 2012), ₹आमची मुंबई₹- 2019, ₹आजादी की लड़ाई में मुंबई का योगदान₹ (आचार्य पवन त्रिपाठी के साथ सह लेखन- 2022), ₹स्वातंत्र्य लढ्यातील मुंबईचे योगदान₹(आचार्य पवन त्रिपाठी के साथ सहलिखित पुस्तक का सुश्री पल्लवी शिंदे- माने, मैडिसन, विस्कॉन्सिन, अमेरिका द्वारा मराठी में अनुवाद- 2024) तथा ₹मुंबई और हिंदी₹ (डॉ दीनदयाल मुरारका के साथ सह लेखन) और 'आदिज्ञान' (संपादकः जीतसिंह चौहान, संस्कृति-साहित्य की शीर्षस्थ त्रैमासिकी का जुलाई 2024-जून 2025) के 'मुंबई का कोली समुदाय विशेषांक' का संयोजन और अतिथि संपादन शामिल है। इस महत्वपूर्ण कार्यों के लिए उन्हें महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के राज्य स्तरीय जीवन गौरव सम्मान छत्रपति शिवाजी महाराज राष्ट्रीय एकता पुरस्कार- 2024-25 से सम्मानित किया गया है।

पुराने पंजीकृत वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने की अंतिम तारीख 30 जून

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में 1 अप्रैल 2019 से पहले पंजीकृत सभी पुराने वाहनों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) लगवाना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके लिए पहले 31 मार्च 2025 अंतिम तारीख निर्धारित की गई थी, लेकिन अब परिवहन विभाग, महाराष्ट्र राज्य ने इसे बढ़ाकर 30 जून 2025 कर दिया है।यह निर्णय केंद्र सरकार की अधिसूचनाएं जीएसआर 1162(ई) दिनांक 4 दिसंबर 2018 और एसओ 6052(ई) दिनांक 6 दिसंबर 2018, तथा परिवहन आयुक्त कार्यालय, महाराष्ट्र के परिपत्रक दिनांक 23 दिसंबर 2024 के अनुसार लिया गया है। 2 जून 2025 को जारी किए गए परिपत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि 1 अप्रैल 2019 से पहले पंजीकृत पुराने वाहनों पर एचएसआरपी लगवाना अनिवार्य है, अन्यथा 16 जून 2025 से इन वाहनों से संबंधित कोई भी कामकाज नहीं किया जाएगा। इसमें वाहन ट्रांसफर, पता परिवर्तन, फाइनेंस जुड़वाना या हटवाना, डुप्लीकेट आरसी, एनओसी जारी करना, वाहन में संरचनात्मक परिवर्तन जैसे सभी कार्य शामिल हैं। यदि किसी वाहनधारक ने एचएसआरपी लगवाने के लिए ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लिया है और उसकी रसीद प्रस्तुत की है, तो उस वाहन के कामकाज पर रोक नहीं लगेगी। उप प्रादेशिक परिवहन अधिकारी, वसई ने सभी वाहनधारकों, ट्रांसपोर्टर्स एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस निर्देश को गंभीरता से लें और अंतिम तारीख से पहले अपने वाहन पर एचएसआरपी लगवाकर नियमों का पालन करें।

सरावली के 'मोठे घर' परिवार का भव्य स्नेहसंमेलन संपन्न, चार पीढ़ियों ने जताई एकजुटता

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। ऐतिहासिक परंपरा और समृद्ध विरासत के प्रतीक सरावली गांव के 'मोठे घर' यानी स्व. चिंतामण केशव घरत परिवार का वार्षिक स्नेहसंमेलन रविवार को कुडण स्थित भास्कर पार्क में बड़े ही उत्साह और भावनात्मक ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर परिवार की चार पीढ़ियों के सदस्य विभिन्न क्षेत्रों से उपस्थित हुए, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ गई। संमेलन की पूर्वसंध्या पर शनिवार को पारंपरिक ढंग से हनुमान मंदिर से 'मोठे घर' तक ढोल-ताशों और भजन-गर्जनासहित दिंडीयात्रा निकाली गई। इसके पश्चात 19वीं सदी के प्रेरणास्त्रोत, 'मोठे घर' के आधार स्तंभ वंदनीय चिंतामण बाबा की प्रतिमा का पूजन उनकी नातिनों कुंडी, मंदा और सावित्री के करकमलों से हुआ। मुख्य कार्यक्रम

का शुभारंभ रविवार को चिंतामण बाबा के पौत्र नामदेव घरत और रघुनाथ घरत द्वारा दीपप्रज्वलन से हुआ। स्वागत गीत व ईशस्तवन के बाद दिवंगत परिजनों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का प्रास्ताविक रखते हुए बताया गया कि यह आयोजन सिर्फ औपचारिक नहीं बल्कि पारिवारिक मूल्यों को संजोने और आपसी संबंधों को सुदृढ़ करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। ज्येष्ठ सदस्यों को शाल व श्रीफल से सम्मानित किया गया, साथ ही परिवार के प्रत्येक सदस्य का परिचय करवाते हुए स्मृतिचिन्ह भेंट किए गए। इस मौके पर 'पारंब्या' नामक एक विशेष पुस्तक का विमोचन भी हुआ, जिसमें परिवार की सात पीढ़ियों का वृत्तांत, वंशवेल, पुरानी यादें, और घर पर आधारित कविताओं का समावेश है। दोपहर सत्र में पारिवारिक सदस्योंने गीत, नृत्य, नाटक, खेल और सामूहिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। विशेष योगदान आत्याभाऊ, मामेभाऊ, वहिनियों, बहनों और युवा पीढ़ी का रहा। कई सदस्यों ने भावुक मनोगत के माध्यम से इस आयोजन की सराहना की और रिश्तों को और प्रगाढ़ करने की भावना व्यक्त की। कार्यक्रम का समापन ₹यह परंपरा केवल यादगार बनकर न रह जाए, बल्कि आगे भी सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ निरंतर जारी रहे ताकि परिवार के बीच आत्मीयता और एकता की परंपरा जीवंत बनी रहे। के संकल्प के साथ किया गया।

उप-पंजीयक कार्यालय की मांग को लेकर विधायक राजन नाईक ने की मंत्री से मुलाकात

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। विधायक राजन नाईक ने 10 जून को महाराष्ट्र सरकार के सहकारिता राज्य मंत्री पंकज भोयर से मंत्रालय में मुलाकात की और वसई तालुका में बढ़ती जनसंख्या और सहकारी संस्थाओं की संख्या को देखते हुए नया उप-पंजीयक कार्यालय नालासोपारा या विरार में स्थापित करने की मांग की।

राजन नाईक ने बताया कि वसई तालुका की लगभग 30 लाख की जनसंख्या के अनुपात में यहां 8,000+ हाउसिंग सोसायटी, 15 क्रेडिट यूनियन, 3 शहरी सहकारी बैंक, 19 सेवा संगठन और 1 मार्केट कमेटी कार्यरत हैं, लेकिन उप-पंजीयक कार्यालय केवल एक ही है, जो वसई में स्थित है। इससे नागरिकों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे समय और धन दोनों की हानि होती है।

विधायक नाईक ने लिखित रूप से मंत्री को मांग पत्र सौंपा, जिस पर सहकारिता मंत्री पंकज भोयर ने तुरंत संज्ञान लेते हुए प्रमुख सचिव (सहकारिता) को प्रस्ताव तैयार करने का आदेश दिया। इस सकारात्मक प्रतिक्रिया के लिए विधायक नाईक ने मंत्री का आभार जताया और भरोसा जताया कि जल्द ही नागरिकों को राहत मिलेगी। इस दौरान जिला अध्यक्ष प्रज्ञा पाटिल, पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल और पूर्व जिला उपाध्यक्ष मनोज बारोट भी विधायक के साथ उपस्थित थे। उन्होंने मीडिया को इस पहल की जानकारी दी।

ठाणे में मवेशियों के अवशेष मिलने के बाद छह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के एक वन क्षेत्र से कथित तौर पर वध किए गए मवेशियों के अवशेष पाए जाने के बाद पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अंबरनाथ क्षेत्र के कन्हेरे गांव में एक राहगीर ने अवशेषों को खुले में पड़ा देखा और एक दक्षिणपंथी संगठन से जुड़े स्थानीय कार्यकर्ता को इसकी जानकारी दी, जिसने मंगलवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

कुलगांव पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि इसके बाद पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर गई, और अवशेषों के नमूने फोरेंसिक जांच के लिए भेजे। बताया जा रहा है कि ये अवशेष मवेशियों के हैं। उन्होंने कहा, शिकायत के आधार पर छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है, जिनकी पहचान कर ली गई है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

महिंद्रा लॉजिस्टिक्स ने कमिंस इंडिया के लिए फलटन में लॉन्च की वेयरहाउसिंग इकाई

पुणे(उत्तरशक्ति)। भारत के सबसे बड़े एकीकृत लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदाताओं में से एक, महिंद्रा लॉजिस्टिक्स लिमिटेड ने आज महाराष्ट्र के फलटन में अपनी नई अत्याधुनिक वेयरहाउसिंग सुविधा लॉन्च करने की घोषणा की, जिससे भारत के सबसे तेजी से बढ़ते औद्योगिक गलियारों में से एक में इसकी उपस्थिति बढ़ी है। इस विशाल साइट का 3 लाख वर्ग फीट से अधिक हिस्सा अब भारत में बिजली समाधान के अग्रणी प्रदाता, कमिंस इंडिया के लिए एक समर्पित साइट के रूप में चालू है, ताकि कई स्त्रोतों से उत्पादों को केंद्रीय स्थान पर समेकित कर इसके राष्ट्रव्यापी संचालन को अनुकूलित किया जा सके। महिंद्रा लॉजिस्टिक्स इस गोदाम के जरिये, कमिंस इंडिया की लॉजिस्टिक क्षमता को मजबूत करेगी और साथ ही एक विस्तृत एकीकृत वेयरहाउसिंग और वितरण नेटवर्क के साथ आपूर्ति श्रृंखला दक्षता, उपलब्धता और दृश्यता में सुधार करेगी। फलटन तेजी से प्रमुख लॉजिस्टिक्स और विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा है और कमिंस इंडिया के लिए यह एकीकृत लॉजिस्टिक्स केंद्र रणनीतिक रूप से पुणे के पास स्थित है, जहां से प्रमुख राजमार्गों और औद्योगिक क्षेत्रों तक सीधी पहुंच है। इस सुविधा के जरिये, महिंद्रा लॉजिस्टिक्स अपने ग्राहकों के लिए एकीकृत लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान करने और साइट पहचान, ग्रीनफील्ड विकास और एकीकृत विनिर्माण और वितरण संचालन सहित एंड-टू-एंड आपूर्ति श्रृंखला का प्रबंधन करने की अपनी प्रतिबद्धता को दृढ़ करता है। इस क्षेत्र की बेहतरीन वेयरहाउसिंग परियोजना के रूप में, यह साइट कमिंस इंडिया के इनबाउंड और आउटबाउंड लॉजिस्टिक्स परिचालन, वेयरहाउस प्रबंधन, लास्ट-माइल डिस्पैच प्रबंधन के साथ-साथ चुस्त विनिर्माण संचालन में सहायता करेगी। कंपनी के चुस्त, कुशल और स्केलेबल समाधान ग्राहक के लिए परिचालन दृश्यता, सेवा स्तर और लागत दक्षता बढ़ाने में मदद करेंगे। कमिंस इंडिया के वैश्विक वहनीयता मानकों के अनुरूप निर्मित, महिंद्रा लॉजिस्टिक्स वेयरहाउस नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित है और इसमें सौर पैनल और उन्नत जल उपचार प्रणाली जैसी वहनीय सुविधाएं हैं। महिंद्रा लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री हेमंत सिक्का ने कहा, ₹भारत का दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरना औद्योगिक नवोन्मेष, चुस्त आपूर्ति श्रृंखला और भविष्य के लिए तैयार बुनियादी ढांचे की शक्ति को दर्शाता है। इस बदलाव के प्रमुख प्रवर्तक के रूप में, लॉजिस्टिक्स विकसित हो रहा है और आज की गतिशील अर्थव्यवस्था के लिहाज से स्मार्ट बन रहा है। इस गति के अनुरूप, फलटन में हमारा वेयरहाउस हमारे राष्ट्रव्यापी वेयरहाउसिंग और वितरण नेटवर्क के साथ एकीकृत है ताकि कमिंस इंडिया को पहुंच, दृश्यता और परिचालन दक्षता प्रदान की जा सके। हम लॉजिस्टिक्स को राष्ट्र के लिए रणनीतिक विकास इंजन के रूप में देखते हैं, और हम भविष्य की जरूरत के अनुकूल ऐसे बुनियादी ढांचे के नेटवर्क के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं जो तकनीकी रूप से उन्नत और विस्तार योग्य हो।

नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रेन हॉस्पिटल ने दुर्लभ ब्रेन ट्यूमर से जूझ रहे मासूम को दी नई जिंदगी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। नारायणा हेल्थ द्वारा संचालित एसआरसीसी चिल्ड्रेन हॉस्पिटल ने एक बार फिर अपनी विशेषज्ञता और संवेदनशील देखभाल का परिचय दिया है। केवल छह महीने की उम्र में दुर्लभ ब्रेन ट्यूमर से जूझ रहे एक मासूम ने यहां एक साल लंबा इलाज सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। अब यह बच्चा 2.5 साल का हो चुका है और अस्पताल की विश्वस्तरीय पीडियाट्रिक न्यूरो-ऑन्कोलॉजी टीम की देखरेख में पूरी तरह स्वस्थ जीवन की ओर बढ़ रहा है।

इस मासूम की कहानी साहस, उम्मीद और चिकित्सकीय उत्कृष्टता की मिसाल है। जब उसके माता-पिता ने उसके शरीर पर कई काले धब्बे और गर्दन ठीक से न संभाल पाने की समस्या देखी, तो उन्होंने कई विशेषज्ञों से परामर्श लिया। एमआरआई ब्रेन स्कैन में मस्तिष्क के निचले हिस्से (पोस्टीरियर फोसा) में बड़ा ट्यूमर पाया गया। कई डॉक्टरों ने यह तक कह दिया कि बच्चा ज्यादा दिन नहीं जी पाएगा। ऐसे मुश्किल वक्त में एसआरसीसी चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में उन्हें एक नई उम्मीद मिली।

बच्चे को नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रेन हॉस्पिटल, मुंबई के आउट पेशेंट विभाग में लाया गया, जहां वरिष्ठ पीडियाट्रिक न्यूरोसर्जन डॉ. सौरव समंतराय ने जांच और इलाज का जिम्मा संभाला। अस्पताल की न्यूरो-ऑन्कोलॉजी मल्टीडिसिप्लिनरी टीम (एमडीटी) ने तुरंत एमआरआई रिपोर्ट की समीक्षा की। कनाडा के टोरंटो स्थित सिककिड्स हॉस्पिटल के सहयोग से जेनेटिक टेस्ट कराए गए, जिनकी मदद से सटीक निदान तय कर इलाज की रणनीति तैयार की गई।

जुलाई 2023 में बच्चे के ट्यूमर को सर्जरी के जरिए पूरी तरह निकाल दिया गया। इसके बाद अगस्त 2023 से मई 2024 के बीच विशेष रूप से तैयार की गई कीमोथेरेपी (सिस्टमिक और इन्ट्रावेंट्रिकुलर दोनों) दी गई। हालांकि इलाज की राह आसान नहीं थी। यह सर्जिकल और मेडिकल टीम के लिए कई चुनौतियाँ लेकर आई। इतनी छोटी उम्र के बच्चे में सर्जरी के लिए बेहद सूक्ष्म सटीकता और एडवांस एनेस्थीसिया योजना की जरूरत थी। इतना छोटा और कम वजन वाला बच्चा होने के कारण कीमोथेरेपी देना भी एक बड़ी चुनौती थी। इलाज के दौरान बच्चे को ऑब्सट्रक्टिव हाइड्रोसेफेलस नामक गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ा, जिसमें मस्तिष्क से तरल निकालने के लिए तुरंत वीपी शंट लगाना पड़ा। आमतौर पर इस स्थिति में इन्ट्रावेंट्रिकुलर कीमोथेरेपी जारी रखना मुश्किल होता है। लेकिन नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रेन हॉस्पिटल की टीम ने अपनी तकनीकी विशेषज्ञता का परिचय देते हुए प्रोग्रामेबल शंट का इस्तेमाल किया, जिससे इलाज बिना किसी रुकावट के आगे बढ़ सका। इस फैसले ने बच्चे को पूरी तरह स्वस्थ होने का सर्वोत्तम मौका दिया। कई बार अस्पताल में भर्ती रहने और 24 घंटे समर्पित देखभाल के बाद अब बच्चे ने अपना इलाज पूरा कर लिया है। आज वह सामान्य रूप से बढ़ रहा है, नए विकासात्मक लक्ष्य हासिल कर रहा है और एक खुशहाल बचपन जी रहा है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाप हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाप हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

औद्योगिक भ्रमण से सैद्धांतिक शिक्षा को मिलती है व्यावहारिक दिशा: प्रो.वन्दना सिंह

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध विभाग के बी.बी.ए. के छात्रों को औद्योगिक भ्रमण पर कुलपति प्रो. वन्दना सिंह ने शुभकामनाएँ देते हुए रवाना किया। उन्होंने कहा कि सैद्धांतिक ज्ञान तब ही पूर्ण होता है जब उसे व्यवहारिक रूप में देखा और समझा जाए। औद्योगिक भ्रमण छात्रों को प्रबंधन की नवीनतम तकनीकों, नवाचारों और औद्योगिक परिवेश से रूबरू कराता है।कुलपति ने कहा कि कक्षा में प्राप्त ज्ञान को वास्तविक दुनिया से जोड़ने का सबसे प्रभावी माध्यम औद्योगिक भ्रमण है। इससे छात्रों को व्यवसायिक निर्णय प्रक्रिया, कार्य प्रणाली, और प्रबंधन के विभिन्न पक्षों की बारीक समझ विकसित होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे भ्रमण के दौरान उद्योगों में प्रचलित नवाचारों, नेतृत्व शैली और प्रबंधन पद्धतियों को गहराई से समझें, जिससे वे भविष्य में कुशल प्रबंधक बन सकें।विभागाध्यक्ष प्रो. मुराद अली ने बताया कि विभाग द्वारा ऐसे औद्योगिक भ्रमण नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। यह भ्रमण राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप है, जिसमें वोकेशनल शिक्षा को औद्योगिक क्षेत्र से जोड़ने का उल्लेख है।

इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. विकास सिंह, समरीन तबस्सुम, सुनील कुमार मौर्य, मोहम्मद सहाबुद्दीन रायीन, राजेश कुमार सहित बी.बी.ए. के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ट्रेन की टक्कर से वृद्ध की मौत

असावधानी के चलते रेलवे लाइन पार करते समय हुई घटना

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बरसठी स्थानीय थाना अंतर्गत गोठांव गांव के पास रेलवे लाइन को लांघते वक्त गोदान एक्सप्रेस ट्रेन के धक्के से एक वृद्ध की मौत हो गयी। ट्रेन से धक्का लगने के बाद ट्रेन करीब पौने घंटे तक खड़ी रही। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान कराने में लगी रही। थोड़ी देर बाद शव की पहचान सरसरा गांव निवासी 60 वर्षीय अच्छेलाल सरोज के रूप में हुई। मामले की जानकारी होते ही परिजन और ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार सरसरा गांव निवासी 60 वर्षीय वृद्ध अच्छेलाल सरोज की गांव से कुछ दूर रेलवे ट्रैक पार करते समय मुम्बई से आने वाली गोदान एक्सप्रेस ट्रेन से धक्का लगने से मौत हो गयी। सूचना के बाद पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अच्छेलाल के पास कोई संतान नही थी। भतीजे दिनेश की तहरीर पर पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्यवाही की। घटना के बाद जीआरपी पुलिस भी पहुँच गयी थी।

रेलवे ट्रैक पर मिला शराबी व्यक्ति का शव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दिल्ली से मुजफ्फरपुर जा रही स्पेशल ट्रेन से कटकर जौनपुर-गाजीपुर रेलवे ट्रैक पर गजना गांव के पास लगभग पौने दस बजे 35 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई। मृत युवक की पहचान सिंह जितेंद्र यादव 35 पुत्र संतोषी यादव निवासी चक पिढवा थाना गौराबादशाहपुर जौनपुर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार उक्त युवक नशे का आदी था तथा रेलवे ट्रैक पर टहल रहा था इसी दौरान वह ट्रेन की चपेट में आ गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शिनाख्त के उपरांत शव को लिया कब्जे में भेजा पोस्टमार्टम हाउस।

छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की ओर एक कदम: प्रो.प्रदीप कुमार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के तत्वावधान में दो दिवसीय कैंपस प्लेसमेंट महोत्सव का भव्य शुभारंभ 12 जून प्रातः 10 बजे संगोष्ठी भवन में उद्घाटन सत्र के साथ होगा। यह अवसर न केवल छात्रों के लिए सुनहरा भविष्य रचने वाला है, अपितु उन्हें उनके सपनों की उड़ान भरने हेतु पंख भी प्रदान करेगा।जॉब फेयर के प्लेसमेंट समन्वयक प्रोफेसर प्रदीप कुमार ने सभी प्रतिभागियों को प्रातः 10 बजे तक संगोष्ठी भवन में उपस्थिति सुनिश्चित करनी है, जहां से चयन प्रक्रिया का सूत्रपात होगा। उसके उपरांत प्री-प्लेसमेंट टॉक के माध्यम से कंपनियाँ अपने स्वरूप एवं अपेक्षाओं से अवगत कराएंगी। चयन प्रक्रिया क्रमशः फामेर्सी भवन स्थित इनक्यूबेशन सेंटर तथा इंजीनियरिंग परिसर स्थित सीटीपीसी कार्यालय में आयोजित की जाएगी।छात्रों की सुविधा हेतु विश्वविद्यालय परिसर में बस सेवा उपलब्ध कराई गई है। पुरुष अभिभावकों हेतु विश्वकर्मा छात्रावास तथा महिला अभिभावकों एवं छात्राओं हेतु महिला छात्रावास में रात्रि विश्राम की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। भोजन की सुविधा इच्छानुसार (ऑन डिमांड) उपलब्ध रहेगी। कैंपस में भिन्न-भिन्न स्टॉल्स का भी आकर्षक आयोजन किया गया है, जिनमें क्रय-विक्रय की सुविधा सशुल्क होगी।प्रत्येक छात्र को अपने साथ कॉलेज का रिज्यूमे, आधार कार्ड, पहचान पत्र, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता की छायाप्रति लाना अनिवार्य होगा तथा फॉर्मल परिधान में उपस्थित होना होगा। यदि कोई छात्र दो या अधिक कंपनियों में चयनित होता है तो प्राथमिकता के आधार पर पहले चयनित कंपनी में तथा फिर शेष कंपनियों में अन्य छात्रों के बाद अवसर दिया जाएगा। जॉब फेयर के उपसमन्वयक सुशील कुमार ने कहा कि सम्पूर्ण आयोजन को सुव्यवस्थित और प्रभावशाली बनाने हेतु छात्र स्वयंसेवकों एवं शिक्षकों की ड्यूटी निर्धारित की गई है, जिससे यह आयोजन एक प्रेरणास्पद, अनुशासित और स्फूर्तिपूर्ण अनुभव बन सके। पूर्वांचल की धरती पर रचेगा रोजगार का नव इतिहास, भविष्य की ओर अग्रसर होंगे प्रतिभाशाली विद्यार्थी।

◆ पूर्वांचल विश्वविद्यालय में कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन

1 महीने में 3 जरूरतमंदों के लिए समाजसेवी अतुल तिवारी ने किया रक्तदान

रक्तदान का मतलब है जीवनदान: अतुल तिवारी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। आम आदमी पार्टी जौनपुर के निवर्तमान जिला मीडिया प्रभारी व अखिल भारतीय हिन्दू सेवा दल, उत्तर प्रदेश के प्रदेश संगठन मंत्री, समाजसेवी अतुल कुमार तिवारी (बुद्धिमान) ने पिछले 1 महीने के अंतराल 3 जरूरतमंद लोगों को किया रक्तदान। अतुल ने बताया कि 1 महिला के लिए उन्होंने जिला अस्पताल सदर में दिनांक 12 मई को अपना स्वयं रक्त निकलवा कर रक्तदान किया और बाकी दो लोगों को दूसरे व्यक्ति को 15 मई व तीसरे व्यक्ति को 10 मई के दिन रक्तदान का कार्ड उपलब्ध कराकर रक्तदान किया। समाजसेवी अतुल तिवारी ने रक्तदान के पश्चात कहां की रक्तदान करना जीवनदान करने के समान है इसलिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्तियों को साल में कम से कम एकझदो बार ही लेकिन रक्तदान अवश्य करना चाहिए और रक्तदान करने से बहुत तरीके की बीमारियों से भी बचा जा सकता है जैसे दिल के दौरे का खतरा कम होना हृदय व संवहनी स्वास्थ्य में सुधार आयरन के स्तर को नियंत्रित करना एवं स्वस्थ जीवन होता है। रक्तदान करना एक बहुत ही पुनीत कार्य है और ऐसा पुनीत कार्य करने की प्रेरणा उन्हें उनके माता-पिता व परिवार से मिली है।

वृद्धजनों ने किया योग, स्वस्थ रहने का दिया सन्देश

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र एवं अराइज एंड अवेक संस्था के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को शहर के सुक्खीपुर स्थित वृद्ध आश्रम में वृद्ध जनों को स्वस्थ रहने के गुर बताये गए और योग कराया गया। यह कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के परिप्रेक्ष्य में आयोजित किया गया था। कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह के निर्देश पर आयोजित योग कार्यक्रम में महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव ने कहा कि जीवन में स्वस्थ रहना सबसे जरुरी है। योग के लिए कोई उम्र की सीमा नहीं है। अपने स्थान पर बैठ कर भी योग किया जा सकता है।उन्होंने कहा कि वर्तमान में रहेंगे तो प्रसन्न रहेंगे,जीवन में जो बीत गया उसको मत सोचिये। योग गुरु जय सिंह ने वृद्ध जनों को प्राणायाम कराया।इसके साथ उन्होंने शरीर के विभिन्न भागों में दर्द के समय किये जाने वाले अभ्यास को भी बताया। साधना मौर्य ने सांसों के माध्यम से रिलैक्स रहने के तरीके बताये. वृद्धजनों ने भजन सुनाया। कार्यक्रम संयोजक जनसंचार विभाग के शिक्षक डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने योग शिविर में प्रतिभाग किये जनों के प्रति आभार व्यक्त किया. इस अवसर पर डॉ. मनीष प्रताप सिंह, डॉ. पुनीत सिंह, विकास, अरविंद प्रजापति, अवनीश, अवधेश, सर्वशक्ति सिंह समेत अन्य उपस्थित रहे।

चन्दवक में बाप के बंदूक से बेटे को लगी गोली

दो पक्षों के बीच बचाव के दौरान हुआ हादसा

चंदवक, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। चंदवक घाट पर मंगलवार रात 8.30 बजे पूर्व में हुई दो पक्षों में जमीनी विवाद में एक पक्ष द्वारा पीड़ित महिला की मदद करने से आक्रोशित दूसरे पक्ष के लोगों द्वारा सफाईकर्मी की पत्नी की पिटाई कर दी गई। इसकी जानकारी होने पर लाइसेंसी बन्दूक लेकर सफाईकर्मी पूछने जा रहा था। 12 वर्षीय पुत्र ओम प्रसाद पिता को रोकने का प्रयास किया तो असावधानी से टाइगर दब गया, गोली उसके पुत्र के पेट में लग गई। घटना से अफरा तफरी मच गई। उसे तुरंत आनन फानन में सीएचसी ले जाया गया जहां से डॉक्टर ने उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।

चंदवक घाट निवासी कर्मा देवी व सोनू, लल्लन, अच्छेलाल, बच्चेलालव बेचू पुत्र सियाराम के बीच जमीनी विवाद चल रहा है। सोमवार को दोनों पक्षों में कहा सुनी हुई। सफाई कर्मी देवीदीन का परिवार कर्मा का मदद कर रहा था। मंगलवार शाम को सफाईकर्मी की पत्नी आशा देवी कर्मा की भैंस को खिलाने ले गई तो विपक्षी उनकी रास्ते में पिटाई कर दी। रात में घर पहुंचे सफाईकर्मी देवीदीन को जानकारी हुई तो वह लाइसेंसी बंदूक लेकर विपक्षियों से पूछने निकला। पता चलते ही पुत्र ओम प्रसाद पिता को रोकने का प्रयास किया तो असावधानी से बंदूक को गोली उसके ही पेट में लग गई। घटना के बाद अफरा तफरी मच गई। घायल को लेकर लोग सीएचसी गए,जहां हालत गंभीर देख डाक्टर ने ट्रामा सेंटर भेज दिया। घटना की जानकारी होने पर पुलिस भी पहुंच कर जांच पड़ताल की।

वाराणसी पहुंचे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का एयरपोर्ट पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या बुधवार को पार्टी कार्यक्रम के लिए काशी पहुंचे। लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल के नेतृत्व में कार्यकताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।स्वागत करने वालों में प्रमुख रूप से हंसराज विश्वकर्मा (जिलाध्यक्ष), पूनम मौर्य (जिला पंचायत अध्यक्ष), सुनील पटेल (विधायक), शैलेंद्र किशोर पांडेय, आर.पी. कुशवाहा, दिनेश मौर्य, मनीष पटेल (प्रोटोकॉल प्रभारी), भाजपा क्षेत्र उपाध्यक्ष, भाजपा किसान मोर्चा काशी क्षेत्र के शैलेश पांडेय सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।उपमुख्यमंत्री के आगमन से कार्यकताओं में उत्साह का माहौल देखा गया। इस अवसर पर पार्टी के आगामी कार्यक्रमों और संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा की गई।

नगर पंचायत में नहीं कराया जा रहा दवा का छिड़काव, लोग परेशान

◆ मच्छरों के आक्रमण से उड़ गई रातों की नींद

रियाजुल हक

जौनपूर(उत्तरशक्ति)। जिले के नगर पंचायत कजगांव में इस समय मच्छरों के प्रकोप के कारण जहां लोग डेंगू व मलेरिया जैसी घातक बीमारी के शिकार हो रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ नगर पंचायत में रहने वाले लोग पुरी तरह से परेशान है। देर रात तक मच्छरों के चुगने से जाग रहे हैं। मच्छरों का प्रकोप का आलम यह है कि दिन हो या रात उनका वार चलता ही रहता है। मच्छरों के प्रकोप से अधिकांश छोटे-छोटे बच्चे मलेरिया व डेंगू की गिरफ्त में आ जा रहे हैं इसके बावजूद नगर पंचायत पुरी तरह से कुम्भकर्णी निद्रा में मस्त है नगर पंचायत क्षेत्र में लोगों का कहना है कि गर्मी का मौसम चलने के कारण इस समय मच्छरों का प्रकोप बहुत तेजी से बड़ा हुआ है। ऐसी दशा में मच्छरों का दवा छिड़काव नही किया जा रहा है। मच्छरों के दवा के छिड़काव के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति किया जा रहा है मच्छरों के विषैले प्रकोप से बचाने वह लोगों को राहत पहुंचाने का कोई उपाय ठीक ढ़ग से नहीं किया जा रहा जब कि शासन द्वारा इस विभाग को धन और दवा भी उपलब्ध कराया जाता है लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि नगर पंचायत के अध्यक्ष सहित अधिशासी अधिकारी व अन्य कर्मचारी भी मच्छरों की हनक से भयभीत होकर उनके विरुद्ध अभियान चलाने में अपने आप को कमजोर समझते हैं क्या कारण है कि मच्छरों के विरुद्ध कीटनाशक दवा का छिड़काव सिर्फ नहीं किया जा रहा और नहीं फागिंग मशीन द्वारा मच्छरों की जनसंख्या वृद्धि को कम करने का प्रयास किया जा रहा है ऐसे में नगर पंचायत शासन के मन्सा को पूरी तरह से मुंह चिढ़ा रहा है।

खेल के विवाद को लेकर मनबढ़ों ने युवक को पीटा, चार के विरूद्ध केस दर्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र गड़हर गांव के एक युवक को मंगलवार को कुछ मनबढ़ युवकों ने फुटबाल खेल के विवाद को लेकर पीट दिया। युवक की तहरीर पर जलालपुर थाना पुलिस ने चार के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। गड़हर गांव निवासी जावेद अख्तर मंगलवार की शाम वह अपने दरवाजे पर खड़ा होकर चाय पी रहा था कि गांव के ही अजीम शेख, जीशान शेख, सुहैल शेख, सलमान सेख ने उसे फुटबाल खेल के विवाद को लेकर मारने पीटने लगे। जिसमें उसका सर फट गया। जलालपुर थाना पुलिस ने युवक का मेडिकल कराते हुए केस दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी त्रिवेणी सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर चार के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया गया है। आवश्यक विधिक कार्यवाई की जा रही है।

भीषण गर्मी में बिजली कटौती से जनता बेहाल

मुहम्मद आरिफ

मेहनाजपुर,आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। भीषण गर्मी से जहां जनजीवन पहले से बेहाल है। वहीं इस भीषण गर्मी में बिजली की कटौती होने से लोग बहुत परेशान है। सही से बिजली न मिलने के वजह से लोगों की मुश्किलें और बढ़ती जा रही है। इस समय आसमान से जैसे आग बरस रहा है। दोपहर में निकलते वक्त ऐसा महसूस हो रहा है जैसे ऊपर से शरीर पर आग गिर रहा है और शरीर जल जा रहा है पेड़ के कट जाने से आज लोग छाव को भी तरस रहे हैं। इस भीषण गर्मी में लोग छाव का सहारा लेने पर विवस है। इस समय टंकी का पानी इतना गर्म है कि शरीर पर डालने पर छाले उत्पन्न हो जा रहे हैं इतने पर यह बिजली लोगों को सही से न मिलने पर इस भीषण गर्मी में लोगों को बेहाल कर दे रही है। गर्मी की वजह से लोग रात में सो भी नहीं पा रहे हैं ।रात के समय मच्छरों का प्रकोप भी लोगों को परेशान कर रहा है। मेहनाजपुर की बिजली लोगों के साथ आंख-मिचौली कर रही है। इस भीषण गर्मी में मनुष्य के साथ जानवर पशु पक्षी भीषण गर्मी से बेहाल है। जानवरों और पक्षियों को तो गर्मी कारण पानी भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। वोल्टेज की कमी के कारण बिजली आने पर भी लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है। बिजली विभाग के अधिकारियों का ध्यान इस विषय पर आकृष्ट कराया जा रहा है कि जनहित के लिए बिजली की समस्या जल्द से जल्द दूर हो जिससे लोग इस समस्या से निजात पा सके।

बीएचयू में पीजी एडमिशन में हुए 40 हजार पंजीकरण, आगे 15 जून तक मिला मौका

वाराणसी(उत्तरशक्ति) ।बीएचयू ने परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया में पंजीकरण की समयसीमा बढ़ा दी है। अब 10 से 15 जून तक रजिस्ट्रेशन और आवेदन शुल्क जमा किया जा सकेगा। आवेदन फॉर्म में संशोधन की तिथि 16 से 18 जून तक कर दी गई है। तीन दिन तक आवेदनकर्ता गड़बड़ियों को ठीक कर सकते हैं।एडमिशन कमेटी के अध्यक्ष प्रो. भास्कर भट्टाचार्य के मुताबिक, 10 जून को शाम 5 बजे तक 40 हजार छात्रों ने रजिस्ट्रेशन करा लिया है। कंबाइंड एलॉटमेंट प्रोग्राम में बताया है कि काउंसिलिंग में अपग्रेड करने वाले फ्रीज न करें। नहीं तो अपग्रेड नहीं होगा ऐसी ही कई सावधानियों को बरतने के लिए बीएचयू के पीजी प्रवेश के आवेदनकताओं को अब 18 जून के बाद सक्रिय होकर लॉगिन चेक करना होगा। किसी ने आरक्षण के कोटे के तहत अपना प्रवेश दिखा दिया है और दस्तावेज की जांच करने पर सामान्य वर्ग का निकला तो ऐसे अभ्यर्थियों को सामान्य वर्ग के राउंड में ही प्रवेश का मौका मिलेगा। यदि प्रवेश प्रक्रिया के बाद पर्याप्त अभ्यर्थी न मिलने से अनुसूचित जाति (एससी) की सीटें खाली रह जाती हैं तो सिर्फ अनुसूचित जनजातियों के आवेदकों से भरी जाएंगी।

घर के बाहर खड़ी कार संदिग्ध परिस्थितियों में जली

दिनदहाड़े आग लगने से मचा हड़कंप, स्थानीय लोगों ने पानी फेंक कर आग पर पाया काबू

गौराबादशाहपुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत गौराबादशाहपुर के वार्ड संख्या चार बंजारेपुर दक्षिण मोहल्ला में स्थानीय निवासी महताब के घर के सामने खड़ी उनकी कार में संदिग्ध परिस्थितियों में दोपहर बाद लगभग 3:30 बजे आग लग गई। तथा देखते ही देखते कार विकराल रूप से जलने लगी। स्थानीय लोगों ने किसी तरह से आग पर पानी फेंक कर काबू पाया। महताब परिवार सहित प्रयागराज में रहते हैं। बंजारेपुर दक्षिण मोहल्ला निवासी महताब ने प्रयागराज निवासी इमरान से लगभग 5 वर्ष पूर्व कार को तीन लाख रुपए में खरीदा था। खरीदने के कुछ दिनों बाद महताब को पता चला कि कार पर फाइनेंस का पैसा बकाया है जिस पर उन्होंने इमरान से कार को वापस लेने तथा पैसा वापस देने की बात कही। प्रयागराज थाने में हुई पंचायत में यह तय हुआ था कि कि इमरान महताब को तीस हजार रुपए हर महीने देगा। परंतु दो किस्त का पैसा देने के बाद इमरान लापता हो गया। इस मामले में प्रयागराज थाने में मामला विवेचनाधीन है। फिलहाल कार जलने की सूचना पर महताब ने घटना की सूचना पुलिस को देने की बात कही है। इस संदर्भ में थाना अध्यक्ष फूलचंद पांडे ने बताया कि फिलहाल घटना के मामले में उन्हें कोई सूचना नहीं मिली है। पत्रकारों द्वारा सूचना प्राप्त होने पर चौकी इंचार्ज रवि प्रकाश को मौके पर जानकारी करने के लिए भेजा गया है।

बारातियों से भरी मारुति वैन स्पीड ब्रेकर से उछल कर डिवाइडर से टकराई

हादसे में एक की मौत, नौ लोग घायल, खुशियाँ हुई मातम में तब्दील

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)।कोतवाली क्षेत्र के आजाद रेलवे क्रासिंग पर सड़क दुघर्टना में तेज रफ्तार बारातियों से भरी वैन स्पीड ब्रेकर से उछल कर डिवाइडर से टकराईं जिसमें दस लोग घायल हो गए। पीछे आ रही दूसरी वाहन में सवार लोगों ने घायलों को इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया।बीबीगंज चौकी क्षेत्र के अन्तर्गत गोल्हगौर गांव में संतोष कुमार गौतम के यहां खेतासराय थाना क्षेत्र के मानीकला के बरगी गांव निवासी राजनाथ के बेटे समरजीत की बारात मंगलवार को आई थीं। बुधवार की भोर में मारुति ईको वैन संख्या यूपी 70 एफडी में सवार होकर बारात से वापस जा रहें खुटहन थाना क्षेत्र के दरना गांव निवासी रिश्तेदारों की वाहन भोर साढ़े चार बजे क्षेत्र के जौनपुर मुख्य मार्ग स्थित आजाद रेलवे क्रासिंग के स्पीड ब्रेकर से उछल कर डिवाइडर से टकराने के बाद बगल खंदक में जाने से वाहन में सवार दरना गांव निवासी 70 वर्षीय सोलई राम गौतम पुत्र लौटन राम व उक्त गांव निवासी 35 वर्षीय अंजली पत्नी रवि गौतम,11 वर्षीय तनीषा पुत्र रवि ,16 वर्षीय नंदिनी पुत्री रवि,45 वर्षीय राजेश कुमार पुत्र पदम कुमार,42 वर्षीय शिल्पी पत्नी राजेश कुमार,13 वर्षीय ऋषिकेश पुत्र राजेश कुमार, 10 वर्षीय शिवकांक्षी पुत्री संजय 23 वर्षीय उज्जवल पुत्र संजय व आजमगढ़ जनपद के दीदारगंज थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव निवासी 23 वर्षीय शुभांसु पुत्र लाल साहब गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने इलाज के दौरान सोलई राम गौतम को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं अन्य घायलों की हालत गंभीर देख बेहतर इलाज हेतु सभी को जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। वहीं मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। शादी की खुशियां मताम में बदल गया। वहीं सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

टैंकर की चपेट में आकर बाईक सवार पिता-पुत्र घायल, मुकदमा दर्ज

जफराबाद,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर क्षेत्र के सुरहूर ढेलवारी गांव निवासी हिमांशु चौबे ने मंगलवार की शाम जफराबाद पुलिस को तहरीर देकर एक टैंकर चालक पर मुकदमा दर्ज कराया है। तहरीर में बताया कि बीते पांच जून को उनके पिता सतीश दूबे व भाई प्रियांशु दुबे बाइक से घर से जौनपुर शहर कुछ काम के लिये जा रहे थे। हौज टोल प्लाजा के पास एक टैंकर चालक उनकी बाईक में टक्कर मारते हुए भाग निकला। टैंकर के चपेट में आकर दोनो लोग गिर गये। जिसमें दोनो घायल हो गये। उन्हें काफी चोट आईं। उन दोनों का उपचार एक निजी चिकित्सालय में चल रहा था। उपचार कराने के बाद जब दोनो को आराम हुआ। तब पीड़ित के बड़े पुत्र ने मंगलवार को थाने पर तहरीर दिया।थाना प्रभारी विश्वनाथ प्रताप सिंह ने बताया की पीड़ित द्वारा अपना इलाज कराने के बाद तहरीर ही दी गयी। घटना की जांच करवा कर केस दर्ज कर लिया गया है। अब ऊक्त अज्ञात टैंकर को खोजने का प्रयास किया जा रहा है।

शिक्षण में कौशल विकास की अनिवार्यता जरूरी

मोहम्मद हसन पी.जी. कॉलेज, जौनपुर में डी.एल.एड. समर कैंप-2025 का हुआ सफल आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मोहम्मद हसन पी.जी. कॉलेज, जौनपुर में संचालित डी.एल.एड. प्रशिक्षण सत्र 2023 एवं 2024 के प्रशिक्षुओं द्वारा ग्रीष्मकालीन शिविर (समर कैंप) का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षुओं में सृजनात्मकता, नेतृत्व क्षमता, व्यक्तित्व विकास एवं विषयगत समझ को विकसित करना था।समर कैंप के अंतर्गत विविध शैक्षिक व सह-शैक्षिक गतिविधियों का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। इन गतिविधियों में विशेष रूप से **चार्ट पेपर निर्माण प्रतियोगिता** : जिसमें विभिन्न शैक्षिक विषयों एवं सामाजिक मुद्दों पर आकर्षक, ज्ञानवर्धक एवं संदेशपरक चार्ट तैयार किए गए।

भाषण प्रतियोगिता : इस प्रतियोगिता में प्रशिक्षुओं ने शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्रीय एकता आदि महत्वपूर्ण विषयों पर प्रभावशाली एवं प्रेरक भाषण प्रस्तुत किए।**निबंध लेखन प्रतियोगिता** : जिसमें सभी प्रतिभागियों ने समसामयिक विषयों पर अपनी लेखनी के माध्यम से विचार अभिव्यक्त किए। उक्त सभी कार्यक्रमों में प्रशिक्षुओं ने अत्यंत उत्साह, समर्पण एवं रचनात्मकता के साथ भाग लिया। शिविर के दौरान उनकी प्रस्तुतियों में शैक्षिक दक्षता, नवाचार एवं भावनात्मक अभिव्यक्ति का सुंदर समन्वय देखने को मिला।समर कैंप के सफल आयोजन हेतु प्रशिक्षकों द्वारा भी मार्गदर्शन एवं प्रेरणा प्रदान की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय ने प्रशिक्षुओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम न केवल ज्ञानवर्धक होते हैं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में भी सहायक सिद्ध होते हैं।इस मौके पर आर पी सिंह, डॉ संतोष सिंह, प्रवीण यादव, अहमद अब्बास खान,तकरीम फात्मा मौजूद रहे अंत में सभी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए तथा कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु सभी शिक्षकों व प्रशिक्षकों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

یسرٰی حکیمی دواخانہ
Regd.No20230048
युसरा हकीमी दवाखाना
हमारी कोशिश, आपका विश्वास...
उपलब्ध सुविधायें-
- गठिया व जोड़ो के दर्द का इलाज
- बवासीर का इलाज बगैर आपरेशन के
- चर्म रोग व पेट की तमाम बीमारियों का इलाज
- बालों का झड़ना, सफेद दाग मुहासे व छाइयों का इलाज होता है ।
- नि:संतान का अचूक इलाज
- शुगर कन्ट्रोल का इलाज
मंगलवार बंदी बाक़ी दिन का सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक
Mob.: 9198443844, 8960275665
नोट- पुरुषों व महिलाओं के गुप्त रोगों से सम्बन्धित सभी प्रकार के रोगों का ईलाज किया जाता है ।
अब हर जुमा को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक
सफेद दाग के मरीजों को मुफ्त दवा मिलेगी यह सन् 2025 के अन्त तक जारी रहेगा।
पता- बड़ी मस्जिद, पूर्वी गेट के सामने जौनपुर (उ.प्र.)

शिवराज्याभिषेक समारोह संपन्न, छत्रपति शिवाजी महाराज को अर्पित की श्रद्धांजलि

वसई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा समर्थ रामदास नगर, वसई में भव्य शिवराज्याभिषेक समारोह का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष श्री राहुल लोनिकर ने विशेष रूप से उपस्थित होकर छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में वक्ता जीवन घनश्याम ने छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि शिवाजी महाराज का जीवन समर्पण, साहस और राष्ट्रप्रेम की मिसाल है, जिससे आज की युवा पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारियों के साथ-साथ भारतीय जनता युवा मोर्चा के कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे। इनमें प्रदेश महासचिव निखिल चव्हाण, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं वसई-विरार जिला प्रभारी गौरव पोरवाल, अजीत सिंह, रवि तिवारी, श्रीमती मीना केदार, अभय कक्कड़, विनय पुनमिया, प्रशांत सपकाले, अरविंद मेवाडिया, किरण पवार, केतन गांधी, एबिन अब्राहम, और श्रेय संघवी प्रमुख रूप से शामिल थे। कार्यक्रम का उद्देश्य छत्रपति शिवाजी महाराज के योगदान को जन-जन तक पहुंचाना और युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रबल करना था। उपस्थित जनसमुदाय ने उत्साहपूर्वक इस आयोजन में भाग लिया।

सर्पदंश पर झाड़-फूँक कराने में समय नष्ट न करें, पीड़ित को तत्काल ले जाएं अस्पताल: जिलाधिकारी

सर्पदंश से मृत्यु पर अवश्य कराये पोस्टमार्टम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आज जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा विगत दिनों सर्पदंश से पीड़ित होने के पश्चात चिकित्सकीय उपचार से स्वस्थ हुए वन्य जीव प्रेमी मुरली का कुशलक्षेम पूछते हुए आम जनमानस में जन जागरूकता हेतु तथा सांपों के संरक्षण हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की गई। इस दौरान मुरली द्वारा अवगत कराया गया कि उनका कार्य प्रकृति के साथ समन्वय करते हुए सांपों को पकड़ने तथा सुरक्षित स्थान पर छोड़ना है और सांपों को पर्यावरण की गोद में विचरण कराने का कार्य करते हैं। इस दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि मनुष्य के अस्तित्व के साथ ही वन्य जीव जंतुओं का अस्तित्व भी अति आवश्यक है। शासन ने सर्पदंश के विषय को आपदा से जोड़ा है, जिससे सर्पदंश से पीड़ित या असामयिक मृत्यु को प्राप्त करने वाले लोगों के परिजन को आर्थिक लाभ दिया जा सके, इसमें 4 लाख रुपए की सहायता राशि दिए जाने का प्रावधान है। उन्होंने सभी से अपील है कि सांप काटने पर झाड-फूँक कराने में समय नष्ट न करें अपितु पीड़ित को तत्काल अस्पताल ले जाएं जहाँ उचित उपचार कर उसके जीवन की रक्षा की जा सके। सर्पदंश से मृत्यु की स्थिति में पोस्टमार्टम अवश्य कराएं।जिलाधिकारी ने बताया कि जीव जंतुओं की रक्षा तथा पर्यावरण को संरक्षित करने के उद्देश्य से मुरली द्वारा प्रचार-प्रसार तथा जन जागरूकता का कार्य किया जाता है जिसकी सराहना करते हुए जिलाधिकारी ने उन्हें अंगवस्त्रम देकर सम्मानित भी किया गया।

वाराणसी: जमीन पैमाइश के लिए 15 हजार रिश्वत लेते कानूनगो गिरफ्तार

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। एंटी करप्शन की वाराणसी टीम ने बुधवार की सुबह पिंडरा बाजार से कानूनगो को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। वह जमीन की पैमाइश करने के नाम पर 15 हजार रुपये घूस ले रहा था। 5 जून को शिकायतकर्ता विजय कुमार निवारी बरजी, थाना फूलपुर ने एंटी करप्शन कार्यालय वाराणसी मंडल में शिकायत कर बताया कि एसडीएम के यहां अपनी मां सुगिया देवी के नाम से भूमि का पैमाइश कराने के लिए आवेदन किया, जिसके बाद एसडीएम द्वारा राजस्व निरीक्षक (कानूनगो) को पैमाइश का निर्देश दिया गया। विजय कुमार ने कानूनगो से पैमाइश के लिए कहा तो उसने 15 हजार रुपये रिश्वत मांगा। गरीबी का हवाला देने पर बिना पैसे दिए पैमाइश करने से इनकार कर दिया। शिकायत का संज्ञान लेते हुए भ्रष्टाचार निवारण संगठन मुख्यालय से अनुमति लेकर एंटी करप्शन टीम ने आरोपी को ट्रैप करने की योजना बनाई। इसके बाद बुधवार को कानूनगो महेंद्र सिंह ने पीड़ित को रुपयों के साथ पिंडरा बाजार में बुलाया। बाजार पहुंचकर जैसे ही कानूनगो ने विजय कुमार से रुपये लिए कि एंटी करप्शन की टीम ने उसे दबोच लिया। उसे गिरफ्तार कर कैंट थाना लाया गया। उसके खिलाफ संबंधित धारा के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

प्रेमभूषण महाराज से हुई बुंदेलखंड योगी की सस्नेह भेंटवार्ता

कानपुर (उत्तरशक्ति)। आओ गायें रामकथा घर घर मेंइस आध्यात्मिक आंदोलन के प्रणेता,मानस के सिद्ध साधक, व्यवहार घाट के ओजस्वी वक्ता,क्रांतिकारी संत पूज्यश्री प्रेमभूषण जी महाराज से मुलाकात करने उनके निज निवास पर पहुँचे बुंदेलखंड योगी अर्पितदास जी महाराज प्रेमभूषण महाराज के मीडिया प्रभारी दिनेशप्रताप सिंह के अनुसार इस मुलाकात के दौरान पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज और बुंदेलखंड योगी अर्पितदास महाराज के बीच धार्मिक, सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर भी महत्वपूर्ण चर्चा हुई।

गौरतलब है कि बुंदेलखंड में भाजपा की बुलंद आवाज,तेजतर्रार युवा नेता, जनसेवा से लोकप्रियता हासिल करने वाले उत्तरप्रदेश राज्य विकास समन्वय एवं निगरानी समिति ग्रामीण,विकास मंत्रालय (दिशा) भारत सरकार में सदस्य एवं डायरेक्टर के रूप में उ. प्र.राज्य निर्माण सहकारी संघ लि.उ.प्र.सरकार में महत्वपूर्ण सेवा अर्पित करने वाले बुंदेलखंड योगी अर्पितदास जी महाराज झाँसी स्थित सिद्ध पीठ सखी

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गिनाई मोदी सरकार की उपलब्धियां, बोले : यही है नया भारत, यही है विश्व का विश्वास

सुरेश गांधी

वाराणसी। सेवा को संकल्प, सुशासन को संस्कृति और सुरक्षा को सर्वोच्च बनाकर प्रधानमंत्री मोदी ने देश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है, यह बाते उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहीं। वे बुधवार को सर्किट हाउस सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की उपलब्धियों को विस्तार से रखा। कहा, प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता ने भारत को न केवल रक्षा, अर्थव्यवस्था, विज्ञान व तकनीक, बल्कि महिला सशक्तिकरण और किसान कल्याण में भी वैश्विक मंच पर अग्रणी बना दिया है। उन्होंने कहा कि 27 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी रेखा से

बाहर निकालना, रक्षा निर्यात में 34 गुना वृद्धि, डिजिटल लेन-देन में वैश्विक हिस्सेदारी का 49 फीसदी और हर गरीब को आवास, खाद्य, स्वास्थ्य और जल की सुविधा देना, मोदी सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। केशव मौर्य ने बताया कि पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंधू सूर्य जैसी कार्रवाइयों से यह स्पष्ट हो गया है कि भारत अब केवल बात नहीं करता, बल्कि घर में घुसकर जवाब देता है। रूस-यूक्रेन युद्ध में ऑपरेशन गंगा, अफगान संकट में ऑपरेशन देवी शक्ति, और कोविड के दौरान वंदे भारत मिशन के माध्यम से लाखों भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश लाया गया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत अब रक्षा उत्पादों का आयातक नहीं, निर्यातक बन चुका है। ब्रह्मोस, प्रचंड, तेजस, आकाश जैसे स्वदेशी रक्षा उत्पादों के साथ भारत का रक्षा निर्यात 23,622 करोड़ तक पहुंच गया है। भारत अब चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर है। डिजिटल इंडिया के जरिए देश में यूपीआई ट्रांजैक्शन 24 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। जीएम पोर्टल के जरिए सरकारी खरीद में पारदर्शिता आई है और भ्रष्टाचार लगभग समाप्त हो गया है। 44 लाख करोड़ रुपये की डीबीटी व्यवस्था ने बिचौलियों की भूमिका खत्म कर दी है। उन्होंने कहा कि चिनाब ब्रिज, पंबन ब्रिज, वधावन पोर्ट, राम मंदिर, काशी कॉरिडोर, महाकाल लोक जैसे प्रोजेक्ट केवल निर्माण नहीं, बल्कि नवभारत के आत्मविश्वास की प्रतीक हैं। रेलवे, सड़क, जलमार्ग, हवाई कनेक्टिविटी से लेकर बंदरगाहों तक, देश में बुनियादी ढांचे का नया जाल बिछ रहा है। हर दिन 34 किलोमीटर हाईवे, 136 वंदे भारत ट्रेनें, 160 हवाई अड्डे, और 103 अमृत भारत स्टेशन इस दिशा में बदलाव के संकेत हैं। चिनाब ब्रिज, पंबन रेल पुल, वधावन पोर्ट, और अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 103 स्टेशनों का पुनर्निर्माण : ये सभी भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर क्रांति का उदाहरण हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 3.7 लाख करोड़ रुपये, और फसल बीमा योजना के तहत 1.75 लाख करोड़ से अधिक की धनराशि किसानों के खातों में सीधे भेजे गए। 25 करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्ड, इएनएमए से 1,473 मंडियों को जोड़ना, मोदी सरकार के 11 वर्षों की उपलब्धियों में से एक रहा है। मोदी सरकार ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी नए मापदंड स्थापित किए और सीओपी 21 के लक्ष्य 9 वर्ष पहले पूरे कर दिखाया कि विकास और पर्यावरण एक साथ संभव हैं. नल से जल योजना, 4 करोड़ पक्के घर, 81 करोड़ को मुफ्त राशन जैसे कदमों ने गांव को आत्मनिर्भर बनाया है। महिलाओं को लेकर सरकार की सोच स्पष्ट है। तीन तलाक खत्म करना, 33 फीसदी आरक्षण, लखपति दीदी मिशन, सेना में महिला स्थायी नियुक्ति, और 14.72 लाख करोड़ के मुद्रा ऋण जैसे प्रयास महिलाओं को आर्थिक शक्ति और सम्मान दे रहे हैं। नई शिक्षा नीति 2020 को क्रांतिकारी बताते हुए उन्होंने कहा कि 8 नए आइआइटी, 7 नए आइआइएम, 23 एम्स और 490 नई यूनिवर्सिटियों की स्थापना हो चुकी है। पीएम कौशल योजना के तहत 1.6 करोड़ युवाओं को प्रशिक्षण मिला है। वहीं, स्टार्टअप इंडिया के तहत भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में ?64,180 करोड़ रुपए का निवेश किया जा रहा है। 25. पूर्वोत्तर आज मोदी सरकार में समावेशी विकास का अहम हिस्सा बन चुका है। राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025 ने 4.3 लाख करोड़ निवेश आकर्षित किया। उग्रवाद में 64 फीसदी कमी आई।

सिद्धार्थ नगर में सड़क चौड़ीकरण के बाद आवागमन के लिए पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने किया उद्घाटन

- सार्वजनिक आभार और सम्मान समारोह सम्पन्न

बोरीवली, मुंबई। सिद्धार्थ नगर स्थित एकता मेडोज और गुंडेचा ट्रिलीयम सोसायटी के सामने 120 फुटी मुख्य सड़क के मध्य भाग में (डिवाइडर तक) कई वर्षों से अड़चन और रुकावट पैदा कर रहे एक भूखंड के संबंध में न्यायालयीन लड़ाई आखिरकार जनसेवक माननीय गोपाल शेट्टी के सतत प्रयासों के कारण सफल हुई। इस सफल प्रयास के परिणामस्वरूप मुंबई महानगरपालिका के माध्यम से संबंधित सड़क का चौड़ीकरण किया गया और फिर पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी के हाथों से उद्घाटन करवाकर सड़क को वाहनों के आवागमन के लिए अधिकृत रूप से खोल दिया गया। इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए स्थानीय निवासियों की ओर से एक सार्वजनिक आभार और सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विशेष रूप से, इस कार्यक्रम के लिए 'खटाव वॉल ग्रुप' नामक स्थानीय नागरिकों के समूह द्वारा स्वयंस्फूर्ति से पहल की गई और पूरे कार्यक्रम का उत्कृष्ट आयोजन किया। खटाव वॉल ग्रुप के सदस्य नंदू परुळेकर, राकेश पांचाळ, राज शिंदे, एन. एस. बांका, रमेश राठोड और अन्य सहयोगियों ने इस कार्यक्रम में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उद्घाटन समारोह में जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ विधायक प्रवीण दरेकर, प्रकाश दरेकर, पूर्व नगरसेविका सौ. आसावरी पाटील, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता सुधीर सरवणकर, खटाव वॉल ग्रुप के सभी सदस्य और परिसर के अन्य प्रतिष्ठित नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अहमदाबाद फैशन वीक में 'रंगा चक्र' का रंगारंग आयोजन

अहमदाबाद। अहमदाबाद फैशन वीक के मंच पर इस बार कुछ अलग देखने को मिला। एक ओर जहां रंग-बिरंगे परिधानों ने रैम्प पर ग्लैमर बिखेरा, वहीं दूसरी ओर समाज सेवा, संस्कृति और आध्यात्मिकता की गहराइयों ने दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर दिया। 'रंगा चक्र' नामक इस विशेष शो का आयोजन फ्लोरियन फाउंडेशन (अध्यक्षः अर्चना जैन) और समाचार जगत में सक्रिय मुंबई हलचल (संपादकः दिलशाद खान, ऋषक) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस आयोजन ने फैशन को केवल स्टाइल का नहीं, बल्कि एक सामाजिक संदेश का मंच बना दिया। डिजाइनर सौमालिका घोष द्वारा प्रस्तुत इस कलेक्शन में कुल 24 मॉडलों ने भाग लिया। शो की भव्य शुरूआत सिमरन आहूजा और शहबाज खान ने की, जबकि

रूपिका ग्रोवर शो की शोस्टॉपर रहीं। कार्यक्रम में सुहैल खंडवानी विशेष सहयोगी रहे, जिन्होंने स्किल डवलपमेंट में सहयोग देने के साथ-साथ अपनी विनम्रता और सकारात्मकता से रैम्प को भी रोशन किया। आयोजकों ने उनके योगदान को खुले दिल से सराहा। 'समुद्र मंथन' की प्रतीकात्मक प्रस्तुतिः

इस शो की सबसे खास बात रही 'समुद्र मंथन' पर आधारित एक गहन विचार धारा, जिसमें यह दिखाया गया कि जैसे देवताओं और असुरों ने अमृत पाने के लिए समुद्र का मंथन किया था, वैसे ही आज का समाज भी सकारात्मकता और नकारात्मकता के बीच जूझ रहा है। समुद्र को मानव चेतना, मंदराचल पर्वत को जीवन के साधन और वासुकी नाग को संघर्षों के प्रतीक रूप में दर्शाया गया। शो ने यह स्पष्ट किया कि आधुनिक जीवन में भी जब तक शिव की तरह कोई नेतृत्व विष नहीं पिएगा, समाज अमृत नहीं पा सकता।

जूम ने भारत में लॉन्च किया जूम संपर्क केंद्र

मुंबई । जूम कम्युनिकेशंस, इंक. ने आज यानी सोमवार को भारत में जूम कॉन्टैक्ट सेंटर के लॉन्च की घोषणा की, जो वीडियो के लिए अनुकूलित एक आधुनिक, अक-प्रथम, ऑम्नीचैनल कॉन्टैक्ट-सेंटर-एज-ए-सर्विस समाधान प्रदान करता है। जूम कॉन्टैक्ट सेंटर वॉयस, वीडियो, वर्चुअल एजेंट, सोशल मीडिया, ईमेल और मैसेजिंग ऐप सहित कई तरह के चैनलों का समर्थन करता है। यह लॉन्च भारत और वैश्विक बहुराष्ट्रीय निगमों में घरेलू उपस्थिति के साथ व्यवसायों को एक ही अक-प्रथम प्लेटफॉर्म के माध्यम से ग्राहक और कर्मचारी जुड़ाव को एकीकृत करने में सक्षम बनाता है। ब्रिंग योर ओन कैरियर (क्षमताओं के साथ यह बुद्धिमान और स्केलेबल कॉन्टैक्ट सेंटर समाधान ग्राहक अनुभव र कर्मचारी अनुभव को एकीकृत करके एक व्यक्तिगत कुल अनुभव प्रदान करता है। इस अवसर पर जूम में उत्पाद और इंजीनियरिंग के अध्यक्ष वेलचामी शंकरलिंगम ने कहा कि जूम संपर्क केंद्र भारत में उद्योगों में स्थानीय व्यवसायों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों को एक लचीले, एआई-प्रथम ऑम्नीचैनल समाधान के माध्यम से ग्राहक जुड़ाव बढ़ाने में सक्षम और सक्षम बनाएगा, जो ग्राहकों को स्थानीय विनियामक और अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम बनाता है और आज के ग्राहकों की बदलती जरूरतों को संबोधित करता है। भारत हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है, और हमारी नवीनतम पेशकश एकीकृत सहयोग और संपर्क केंद्र क्षमताओं की शक्ति को एक मंच पर लाती है। यह भारत सहित हर बाजार में आधुनिक उद्यमों के लिए सुरक्षित, स्केलेबल और अभिनव समाधान देने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

जूम के भारत और सार्क के महाप्रबंधक और प्रमुख समीर राजे ने कहा कि ऑनबोर्डिंग और सपोर्टिंग, ऑटोमेशन और एनालिटिक्स से लेकर जूम कॉन्टैक्ट सेंटर ऐसे फीचर प्रदान करता है, जो ग्राहकों को बेहतर अनुभव प्रदान करने में मदद करते हैं। यह लॉन्च भारतीय बाजार के लिए जूम की प्रतिबद्धता में एक और मील का पत्थर है - व्यवसायों को संचालन को सुव्यवस्थित करने, समग्र अनुभव को बढ़ाने और डिजिटल-प्रथम दुनिया में आगे रहने में मदद करना।

हनुमान जी की सेवा भक्ति अतुलनीय : कृपाशंकर सिंह

जौनपुर। बड़ा मंगलवार के अवसर पर मरगूपुर, तेजीबाजार स्थित हनुमान मंदिर पर आयोजित भंडारा कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री व जौनपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ने कहा हनुमान जी की सेवा भक्ति अतुलनीय है। पूर्ण समर्पण भाव से मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की सेवा और भक्ति हनुमान जी के अलावा कहीं और नहीं मिलती है।धर्म की रक्षा और अधर्मियों का विनाश हनुमान जी आदि काल से निरंतर करते आ रहे हैं।जाग्रत देव हनुमान जी भक्तों की करुण पुकार सुनकर स्वयं उपस्थित होकर उसकी रक्षा करते हैं। यदि आप सच्चे मन से हनुमान जी को याद करते हैं तो प्रभु आपको उसकी अनुभूति अवश्य कराते हैं। भगवद कृपा से आज

हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश और देशवासियों की सुरक्षा के लिए आतंकवादियों के शिविरों को नष्ट करके आतंकियों और उनके आका पाकिस्तान को कड़ा संदेश दें दिया है। पूर्व सरकारों के शासन में हमें आंख दिखाने वाला पाक आज पानी के लिए भारत के समक्ष गिड़गिड़ा रहा है। उन्होंने कहा कि उसरा बाजार-बरईपार- मछली शहर, भटपुरा-कल्याणपुर-सोनहिता, बदलापुर से विझवट तक नहर की पटरी को 5 मीटर चौड़ा करने का प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश विकास युक्त और भय मुक्त वातावरण में तेजी से विकास कर रहा है। वह दिन दूर नहीं है जब आत्मनिर्भरता और विकास को लेकर उत्तर प्रदेश देश का नंबर वन प्रदेश बन जाएगा।

इस दौरान पूर्व सांसद श्याम सिंह यादव,भाजपा मीडिया पैनलिस्ट ओम प्रकाश सिंह, पूर्व चेयरमैन दिनेश टंडन, विवेक सिंह राजा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्यामराज सिंह, डॉ विकास सिंह, शिक्षक नेता नरसिंह बहादुर सिंह सहित अनेको भाजपा पदाधिकारी व ग्रामीण मौजूद रहे।

जूम ने की छह टेलीकॉम सर्किलों में जूम फोन की शुरूआत की

मुंबई। जूम कम्युनिकेशंस, इंक. (NASDAQ: ZM) ने आज भारत में चार प्रमुख मेट्रो टेलीकॉम सर्किलों - मुंबई, दिल्ली एनसीआर, कर्नाटक (बेंगलुरु), और आंध्र प्रदेश और तेलंगाना (हैदराबाद) में अपनी उद्योग-अग्रणी जूम फोन सेवा के और विस्तार की घोषणा की। दिल्ली एनसीआर टेलीकॉम सर्किल में केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली, गाजियाबाद, फरीदाबाद, नोएडा और गुड़गांव शामिल हैं। दूरसंचार विभाग (DoT) भारत द्वारा लाइसेंस प्राप्त, जूम फोन अब भारत में छह टेलीकॉम सर्किलों में उपलब्ध है, जिसमें महाराष्ट्र (अक्टूबर 2024) और तमिलनाडु (चेन्नई) टेलीकॉम सर्किल (फरवरी 2025) शामिल हैं, जिससे देश के प्रमुख व्यवसाय और प्रौद्योगिकी केंद्र शामिल हो गए हैं। जूम ने भारत भर में अतिरिक्त टेलीकॉम सर्किलों में जूम फोन लाने की भी योजना बनाई है, जिससे भारत के प्रमुख राज्यों में अधिक संगठनों को अक-प्रथम आधुनिक टेलीफोनी उपलब्ध कराने की उसकी प्रतिबद्धता में तेजी आएगी।जूम के उत्पाद और इंजीनियरिंग के अध्यक्ष वेलचामी शंकरलिंगम ने कहा कि जूम फोन वितरित कार्यबल के लिए सरलता और आधुनिक कार्यक्षमता प्रदान करके क्लाउड टेलीफोनी की बढ़ती मांग को संबोधित करता है। भारत हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है, और छह प्रमुख दूरसंचार सर्किलों से परे हमारी विस्तार योजनाएँ ग्राहकों को एकीकृत कार्य प्लेटफॉर्म प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती हैं। यह विस्तार जूम फोन को मिल रहे बढ़ते आकर्षण को भी दशार्ता है, विशेष रूप से बहुराष्ट्रीय कंपनियों से, क्योंकि भारत में व्यवसाय लीगेसी पीबीएक्स सिस्टम से हटकर अधिक लचीले, एआई-प्रथम सहयोग समाधानों की ओर बढ़ रहे हैं जो कर्मचारी उत्पादकता को बढ़ाते हैं। जूम फोन जूम संपर्क केंद्र के साथ भी सहजता से एकीकृत होता है, जिससे जूम संपर्क केंद्र के वातावरण में कॉल ट्रांसफर, कॉल फॉरवर्डिंग और कॉल रिकॉर्डिंग जैसी सुविधाओं के साथ एकीकृत अनुभव मिलता है। जूम संपर्क केंद्र जूम फोन उपयोगकर्ता विवरण जैसे एक्सटेंशन, डायरेक्ट इनवर्ड डायलिंग (DID) नंबर और उपयोगकर्ता नाम तक पहुँच सकता है, जिससे कॉलर की पहचान और रूटिंग सक्षम होती है। छह सक्रिय दूरसंचार सर्किलों में सेवाओं के अलावा, जूम फोन व्यवसायों को पूरे भारत में सहज सहयोग बनाए रखने में सक्षम बनाता है, यहाँ तक कि उन क्षेत्रों में भी जहाँ जूम फोन सेवा अभी तक उपलब्ध नहीं है। जूम के स्वयं-सेवा वेब पोर्टल के माध्यम से, ग्राहक कर्नाटक, दिल्ली एनसीआर और मुंबई जैसे विशिष्ट दूरसंचार सर्किलों के आधार पर स्थानीय फोन नंबर प्राप्त कर सकते हैं।

तेज रफ्तार बाइक ने मारी टक्कर, वृद्ध की मौत

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। घर से चाय पीने के लिए कोटिला बाजार जा रहे वृद्ध को बाइक सवार बुधवार की सुबह धक्का मारकर फरार हो गया। वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बुधवार की सुबह लगभग साढ़े छह बजे वह कोटिला बाजार पैदल ही चाय पीने के लिए निकले। वह बाजार पहुंचे ही थे कि किसी बाइक सवार ने धक्का मार दिया। इस घटना में फिरोज गंभीर रूप से घायल हो गए। लोग उन्हें अस्पताल ले जाने की व्यवस्था कर रहे थे कि उनकी मौत हो गई। बाजार के लोगों ने घटना की सूचना परिजनों को दी। मृतक के तीन पुत्र और चार पुत्रियां हैं। पुलिस ने परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर बाइक सवार की तलाश शुरू कर दी।

सुजीत वर्मा बने राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के जिला सचिव व तहसील प्रभारी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद (पंजीकृत) की जिला इकाई जौनपुर ने जनपद के निर्भीक व निष्पक्ष पत्रकार सुजीत वर्मा को नई जिम्मेदारी सौंपी है। परिषद के जिलाध्यक्ष तामीर हसन शीबू ने उन्हें जिला सचिव एवं तहसील शाहगंज प्रभारी पद पर नियुक्त किया है।सुजीत वर्मा वर्तमान में एक हिंदी दैनिक के ब्यूरो चीफ के रूप में कार्यरत हैं और पत्रकारिता जगत में अपनी स्पष्ट, निर्भीक और निष्पक्ष लेखनी के लिए जाने जाते हैं। उनकी नियुक्ति पर संगठन में उत्साह का माहौल है।जिलाध्यक्ष तामीर हसन शीबू ने विश्वास व्यक्त किया कि सुजीत वर्मा संगठन की गरिमा, उद्देश्य और पत्रकार हितों की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे। इस अवसर पर जिला प्रभारी शशिकांत मौर्य,जिला महासचिव रियाजुल हक ,उपाध्यक्ष इम्तियाज सिद्दीकी और जिला कमेटी की पूरी टीम ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं और संगठन को मजबूती प्रदान करने की उम्मीद जाहिर की।